हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार, 25 जुलाई 2024

तापमान
अधिकतम 27 डिग्री
न्यूनतम 24 डिग्री

12 तीन दिन से पेयजल के लिए मचा हाहाकार, इंटकवेल में फंसा कचरा

श्री शंकराचार्य
कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc.(N)
M.Sc.(N) P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 9926129192
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

B.M. COLLEGE
BCA BBA
PGDCA B.Ed.
आई.टी.आई.
कोपा, इलेक्ट्रिशियन
हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
डीजल मैकेनिक
फायर टेक्नालॉजी
स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि - 27/07/24

रिमझिम बारिश में हर-हर महादेव की गूंज के साथ निकली शिवमहापुराण कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

गुरुवार से सिविक सेंटर स्थित जयंती स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक सीहोर वाले पं. प्रदीप मिश्रा की सावन शिवमहापुराण कथा शुरू होगी। बोल बम समिति द्वारा 25 जुलाई से 31 जुलाई तक आयोजित इस शिवमहापुराण कथा के पूर्व बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। रिमझिम बारिश के बीच इस कलश यात्रा में हजारों की संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है, हर-हर महादेव और श्री शिवॉय नमस्तुभ्यं की गूंज के साथ कलश यात्रा सेक्टर 5 स्थित गणेश मंदिर से निकली।

धुमाल बैंड की धुन पर जमकर थिरके शिवभक्त

गणेश मंदिर सेक्टर 5 में सुबह 10 बजे से ही महिलाओं का कलश लेकर पहुंचना शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे कलश यात्रा प्रारंभ हुई। इस कलश यात्रा में खास बात यह रही कि महिलाओं की टीम धुमाल बाजा बजा रही थी। साफा बांधे हुए पुरूष भगवा रंग के परिधान पहने नजर आए। महिलाएं पीली साड़ी में कलश लेकर चल रही थी। धुमाल बाजा के साथ शिवभक्तों ने ऐसा रंग जमाया कि सेंट्रल एवेन्यू रोड पर लोग इस दृश्य को अपने मोबाइल में कैद करने के लिए रूके रहे।

महाप्रसादी खिचड़ी का वितरण

कलश यात्रा की शुरूआत में महिलाओं और पुरूषों ने त्रिपुंड धारण किया। कई लोग साफा बांधकर इस यात्रा में शामिल हुए। विधिविधान से भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना के बाद यहां से कलश यात्रा निकाली गई। सेक्टर एरिया होते हुए सिविक सेंटर, ग्लोब चौक होते हुए कथा स्थल जयंती स्टेडियम पहुंची। जहां कलशों को रखा गया। आखिर में महाप्रसाद खिचड़ी का वितरण किया गया।

कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा का हुआ जोरदार स्वागत

अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक सीहोर वाले पं. प्रदीप मिश्रा दोपहर 3 बजे भिलाई पहुंचे। माना एयरपोर्ट पर पं. मिश्रा का स्वागत करने के लिए बोल बम समिति के अध्यक्ष दया सिंह अपने साथियों के साथ पहुंचे। यहां पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। श्री शिवॉय नमस्तुभ्यं के जाप के साथ उन्हे एयरपोर्ट से बाहर लाया। यहां से सड़क मार्ग से भिलाई आए। भिलाई में सैकड़ों शिवभक्तों ने उनका फूलों से स्वागत किया।

महराज पं. मिश्रा यहां सावन शिवमहापुराण की कथा दोपहर एक बजे से शाम 4 बजे तक सुनाएंगे।

खबर संक्षेप

पीएम आवास योजना के लिए लगेगा लोन मेला

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस घटक अंतर्गत हितग्राहियों के लिए 30 जुलाई को लोन मेला का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे हितग्राही किरायेदार के रूप में निवासरत, बेघर परिवारो को आवास प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। हितग्राहियों द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा करके लॉटरी में भाग लेकर मकान अपने नाम आबंटित कराया गया है। आबंटन की शेष 90 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य है। ततपश्चात मकान का अधिपत्य पत्र उन्ह सौंपा जाता है। बहुत से हितग्राही शेष 90 प्रतिशत राशि जमा नही कर पा रहे है। ऐसे हितग्राहियो के लिए लोन मेला लगाया जा रहा है। जिसके माध्यम से आबंटित आवास का कुल राशि जमा करके मकान प्राप्त कर सकेगें। आवास लोन मेला अंबेडकर सामुदायिक भवन बैकुण्ठधाम भिलाई में आयोजित होगा। बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर आवास लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राही उसका लाभ ले सकते है। बैंक से लोन प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज- आबंटन पत्र की छायाप्रति, पेन कार्ड की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैक पास बुक की छायाप्रति, शपथ पत्र, 6 माह का बैंक स्टेटमेंट, वेतन प्रमाण पत्र, 3 पासपोर्ट साईज फोटो, किरायानामा, जमा की गई राशि के रसीद की छायाप्रति। आबंटिती अपनी सुविधा के अनुसार बैंक से लोन प्राप्त कर आबंटिती आवास प्राप्त कर सकते है। प्रमुख बैंक में जिनके माध्यम से लोन प्रदान किया जायेगा।

मानसून : जलस्तर कम होने से महमरा एनीकट के ऊपर पानी हुआ कम

पांचवें दिन भी सावन की झड़ी, जिले में 323 मिमी बारिश, कोटे से 26 मिमी अब भी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

बुधवार को पांचवे दिन भी सावन की झड़ी कम नहीं हुई। रात और दिन रूक-रूक कर रिमझिम बारिश होती रही। लगातार हो रही बरसात ने भले ही पूरे शहर और गांव को पानी-पानी कर दिया हो लेकिन कोटे से अब भी 26 मिलीमीटर औसत बारिश कम है। वहीं मोंगरा बैराज से शिवनाथ नदी में पानी नहीं छोड़ने और सहायक छोटी-छोटी नालों में जलस्तर कम होने की वजह से महमरा एनीकट में 3 फीट पानी का ऊफान कम हुआ है।

खेती-किसानी में आई तेजी

बारिश अच्छी होने से खेती-किसानी में तेजी आई है। प्रगतिशील किसान मोर्चा के महासचिव झबेन्द्रभूषण वैष्णव ने बताया कि रोपाई के लिए पर्याप्त पानी खेतों में आ चुका है। खाद भी अब किसान फसलों में ग्रोथ के लिए डाल रहे हैं। सूखे के हालात टल गए हैं। आने वाले दिनों में पानी और भी गिरेगा तो भी फसलों को नुकसान की स्थिति नहीं है।

इस तरह समझें वर्षा की कमी

पिछले साल 24 जुलाई 2023 तक एक जून बारिश सीजन से 24 जुलाई तक जिले में 436 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी थी। इस साल यानी एक जून से 24 जुलाई 2024 तक जिले में 323 मिलीमीटर बारिश हुई है। इस तरह पिछले साल के मुकाबले में अब भी 26 मिलीमीटर औसत बारिश कम हुई है।

सबसे ज्यादा बारिश पाटन ब्लॉक में

अब तक सर्वाधिक वर्षा 521.8 मिमी पाटन तहसील में हुई है। न्यूनतम बारिश 202.9 मिमी बोरी तहसील में दर्ज की गई है। तहसील दुर्ग में 269.6 मिमी, तहसील धमधा में 218.2 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 270.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 355.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 24 जुलाई को तहसील दुर्ग में 45.8 मिमी, धमधा तहसील में 30.0 मिमी, पाटन तहसील में 77.3 मिमी, बोरी तहसील में 38.5 मिमी, भिलाई-3 तहसील में 49.8 और अहिवारा तहसील में 72.4 वर्षा दर्ज की गई है।

महमरा एनीकट के ऊपर 7 फीट पानी

शिवनाथ नदी के कैचमेंट एरिया में विगत दिनों से लगातार बारिश होने तथा मोंगरा बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट के ऊपर 7 फीट पानी बह रहा है। तांदुला नदी, खरखरा नदी व शिवनाथ के अन्य सहायक नालों में जल स्तर कम हुई है तांदुला जल संसाधन संभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के. पाण्डेय के अनुसार तांदुला जलाशय में 45 प्रतिशत, खरखरा जलाशय में 46 प्रतिशत, खपरी जलाशय 53 प्रतिशत व गोंदली जलाशय में 25 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। वर्षा की स्थिति बनी रही तो आने वाले दिनों में जलाशय के भराव में और बढ़ोत्तरी होगी।

आज भी होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण झारखंड और उसके आसपास स्थित है, तथा यह 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, सीकर, ग्वालियर, ,सीधी, डाल्टनगंज, कनिंग और उसके बाद पूर्व- दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक विंड शियर जोन 21 डिग्री उत्तर में 4.5 किलोमीटर से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। 25 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

एक्सीडेंट से बच्ची की मौत आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, तोड़फोड़ भी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

ग्राम सेवती मेन रोड में एक बच्ची की बोलेरो पीकप वाहन से एक्सीडेंट के बाद मौत हो गई। मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। चक्का जाम कर आरोपी बोलेरो वाहन चालक से मारपीट कर बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर पलटा दिये । इस

- दुघर्टनाकारित वाहन में जमकर तोड़फोड़, आरक्षक की वर्दी फटी

दौरान आरोपी को बचाकर ले जा रहे एक पुलिस कर्मी की वर्दी भी फट गई। मामले में लिटिया सेमरिया पुलिस चौकी में दर्जनभर ग्रामीणों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है।

बेलोरो की ठोकर से बच्ची की मौत

सेवती मेन रोड पर बेलोरों पिकअप से बच्ची की मौत होने के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। बेलोरो को संजू बांधे नामक युवक चला रहा था। लिटिया सेमरिया पुलिस चौकी में सूचना के बाद प्रधान आरक्षक दरबारी राम तारम शासकीय वाहन लेकर पहुंचा। आक्रोशित ग्रामीणों से आरोपी वाहन चालक संजू बांधे को बचाकर अपने वाहन में बिठाया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त दिया । जिससे पीछे कांच टूट गया। आरक्षक दरबारी राम ने स्वयं के साथ वर्दी फटने और कंधे में चोट आने की शिकायत दर्ज कराई है।

दर्जनभर ग्रामीणों के खिलाफ जुर्म दर्ज

सेमरिया चौकी पुलिस ने इस मामले में दर्जनभर ग्रामीणों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है। इन ग्रामीणों के खिलाफ शासकीय सेवक से मारपीट करने और वाहन को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में भी अपराध दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता लिटिया सेमरिया के प्रधान आरक्षक दरबारी राम तारम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी राकेश यादव ग्राम हिर्री, कामेश बंजारे, योगेश साहू हिर्री, राकेश कोसरे , रोहित महिलांगे, शुभम कुर्रे, गोपाल बारले, गोपाल बघेल, तुकाराम बंजारे, केशव निराले, कोमल मांडले व अन्य के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। इन ग्रामीणों पर धारा 296, 221, 132, 121(1), 351 (3),126 (2),191 (2), 324(4) अपराध दर्ज किया गया है।

आक्रोशित किसानों ने कंपनी को कार्य करने से रोका

फसल को बुलडोजर से रौंदा, पाइप डालने का काम कराया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग ज़िले के धमधा तहसील के ग्राम अहेरी के किसान बलदेव प्रसाद गायकवाड़ के खेत में गेल (इंडिया) लिमिटेड के अधिकारी दोपहर * बजे किसान को बिना सूचना दिए उनके खेत में घेरा तोड़ का घुस गए । किसान बलदेव ने बताया कि मेरी सूचना के बग़ैर मेरे खेत में लगी फसल को बुलडोज़र से कुचल दिया गया और पाइपलाइन डालने के लिए गड्ढा कर पूरे खेत को तहस नहस कर दिया जिसमे मुझे लगभग 40 से 50 हज़ार का नुक़सान हुआ है। इसके विरोध में अहेरी, बागडूमर, बोड़ेगाँव सहित 5 गाँव के लगभग 20 किसान मौक़े पर पहुँचे और काम को बंद करने की कोशिश की गई । जिसके बाद गेल (इंडिया) के अधिकारी प्रशांत गुप्ता ने तहसीलदार और पुलिस बुला लीया तहसीलदार (राधेश्याम वर्मा) द्वारा प्रभावित किसानों से दुर्व्यवहार किया गया और ग़ैर

ज़मानती धारा लगा कर जेल में डालने की धमकी दी गई और जो किसान वीडियो बना रहे थे उनको भी डरा कर वीडियो बनाने से रोका गया । किसानों द्वारा मुआवज़ा संबंधित बात करने पर गेल (इंडिया) के अधिकारी प्रशांत गुप्ता आवेश में आकर कहने लगे कि तुम किसान लोग हमारे काम में बाधा डाल रहे हो हम सब अधिकारीयो को पैसा देते है और कितने लोगो को पैसा बांटे । किसानों ने व्यापक विरोध के बाद काम को बंद करवाया गया । ज्ञात हो कि गेल इंडिया द्वारा पहले ग्राम ढौर में भी इसी तरह किसानों की फसल बर्बाद कर पाइपलाइन बिछाई गई । गेल (इंडिया) के इन किसान विरोधी कार्यों से दुर्ग ज़िले के 21 गाँव के सभी किसान प्रताड़ित है ।

मोटर सायकल चोरी वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी करने वाले युवक को पकड़ा है। कृष्णा नगर सुपेला का रहने वाला युवराज सोनी चोरी का मोटर सायकल बिक्री करने के लिए ग्राहक तलाश कर रहा है। सूचना मिलते ही युवराज सोनी को कृष्णा नगर से घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे पूछताछ करने पर अपने साथी विधि से संघर्षरत बालक के साथ मिलकर चोरी करना

स्वीकार किया। आरोपी युवराज सोनी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेज दिया है। प्रार्थी पंकज कुमार निवासी केम्प-1 शास्त्री चैक भिलाई द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि सर्कस मैदान संजय नगर सुपेला से मोटर साइकिल स्प्लेण्डर प्लस क्रमाक सीजी 07 एल.एच. 6253 को अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घर से नकदी ले उड़ा चोर

भिलाई। नेवई थाना अंतर्गत एक घर के अंदर घुसकर अज्ञात चोर नगदी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गया। गगन गजपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 23 जुलाई की सुबह 7 बजे सोकर उठा। फिर सिटकिनी खोलकर दरवाजा को टिकाकर सो गया था। टेबल में रखा ब्लैक रंग का लैपटॉप,मोबाइल,पर्स में रखा एटीएम,आधार कार्ड,वोटर आदि गायब था।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

7987328736, 7489348301

खबर संक्षेप

जनसमस्या निवारण शिविर 26 को अण्डा में

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन 26 जुलाई को पूर्वान्ह 11 से 3 बजे तक विकासखण्ड दुर्ग के ग्राम अण्डा में किया जाएगा। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन को नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग मुकेश रावटे एवं जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश कुमार पाण्डेय को नियुक्त किया गया है। सर्व जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ शिविर में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

विभागीय परीक्षा के लिए अधिकारी-कर्मचारी नियुक्त

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन गृह.सी विभाग द्वारा विभागीय परीक्षा से 13 अगस्त तक आयोजित की गई है। जिले में विभागीय परीक्षा के सुचारू रूप से संपादन हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिप्टी कलेक्टर दुर्ग लवकेश ध्रुव को परीक्षा केन्द्र एवं प्रश्न पत्र प्रभारी और लेखाधिकारी कार्यालय आयुक्त दुर्ग संभाग आरएल तारम को सहायक परीक्षा केन्द्र प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार नायब तहसीलदार ढाल सिंह बिसेन एवं नायब तहसीलदार सुश्री योगिता बंजारे को वीक्षक इन्वीजिलेटर सहायक ग्रेड-03 एस अभिषेक एवं खेलू राम पटेल को लिपिकीय कार्य हेतु, भृत्य मेघनाथ साहू एवं ईश्वरी साहू को उत्तर पुस्तिकाओं का पैकेट तैयार करने डाक घर जाने एवं अन्य व्यवस्था हेतु नियुक्त किया गया है।

सामान्य सभा की बैठक 31 को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 31 जुलाई 2024 को दोपहर 1 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग के एवं अन्य आवश्यक कार्यों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित पदाधिकारियों एवं विभाग प्रमुख अधिकारियों को उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

बारिश से गरीब का मकान ढहा

डोंगरगढ़। भारी बारिश के बाद कातलवाही के सतनामी पारा में स्थित मकान गिर गया। मकान गिरने के बाद लोग झिल्ली डालकर जैसे तैसे निवास कर रहे है। ग्राम के रामकृष्ण बंजारे ने बताया कि बारिश के पानी से उनका मकान गिर गया है जिसकी जानकारी पटवारी को दी गई। सरपंच को भी मकान गिरने की जानकारी दी गई पर उन्होंने अब तक मौके पर जाकर नहीं देखा है। उन्होंने बताया कि मकान जर्जर होने के बाद प्रधानमंत्री आवास के लिए फॉर्म भरा था किन्तु अब तक स्वीकृति नहीं मिली है। दो वर्षों से योजना का लाभ लेने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

अवैध निर्माण की शिकायत

डोंगरगढ़। अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से हो रही अवैध प्लाटिंग के मामले में किसी प्रकार कार्यवाही नहीं हो रही है।

शिक्षकों की आज काउंसिलिंग, दिव्यांग, गंभीर बीमारी को प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सहायक शिक्षको को प्रधान पाठक के पर पदोन्नति सूची जारी किए जाने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने 23 जुलाई को की तिथि जारी कर दी है। जिसके तहत गुरूवार को सुबह साढे नौ बजे से पदांकन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए प्राथमिकता के क्रम में दिव्यांग शिक्षक और गंभीर बीमारी शिक्षको को रखा जाएगा। काउंसलिंग स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम जोआरडी स्कूल के सभागार में सुबह साढे नौ बजे से होगी।

उल्लेखनीय हैं कि, पिछले लंबे समस से पदोन्नति का इंतजार कर रहे सहायक शिक्षको की पदोन्नत सूची 17 जुलाई को जारी कर दी थी। सूची जारी होने के बाद अब काउंसलिंग की तिथि निर्धारित कर दी गई हैं। जिसके जरिए शिक्षको को स्कूलों में पदांकन किया जाएगा। जिले में 123 सहायक और करीब 36 नियमित शिक्षक है। उन्हें प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति दे दिया गया जाएगा। छग शालेय शिक्षक संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि, जिला शिक्षा अधिकारी के जरिए कहा गया है कि, दुर्ग जिला प्राथमिक प्रधानपाठक पदोन्नति हेतु आगामी काउन्सलिंग में शामिल होने के लिए प्राथमिकता क्रम के दिव्यांग व गम्भीर बीमारी वाले साथियों को अपना प्राथमिकता दस्तावेज 19 जुलाई 2024 तक जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था। यदि उक्त प्राथमिकता पात्र कोई भी प्रधान पाठक साथी अपना दिव्यांग व गम्भीर बीमारी का प्रमाण पत्र उक्त तिथि तक जमा न कर पाए हो तो काउन्सलिंग तिथि में काउन्सलिंग प्रारम्भ होने के 1 घण्टे पूर्व आकर काउन्सलिंग प्रभारी के पास जमा कर सकते है। जिससे आपको काउन्सलिंग में प्राथमिकता प्राप्त हो जाएगी।

महज एक दिन पहले आदेश जारी किए जाने से मचेगी अफरा-तफरी

ऐसा होगा प्राथमिकता का क्रम

महिला दिव्यांग (दिव्यांग हेतु सक्षम अधिकारी से प्रदत्त प्रमाण पत्र की मान्य होगा, वही पुरूष दिव्यांग (दिव्यांग हेतु सक्षम अधिकारी से प्रदत्त प्रमाण पत्र की मान्य होगा) महिला गंभीर बीमारी (जिला मेडिकल बोर्ड से प्रदत्त प्रमाण पत्र ही मान्य होगा) और पुरुष गंभीर बीमारी (जिला मेडिकल बोर्ड से प्रदत्त प्रमाण पत्र ही मान्य होगा)। जबकि शेष महिला व पुरूष आदेश के क्रम में रहेंगे।

लिए जाएंगे सहमति पत्र

काउंसलिंग में पदोन्नत सहायक शिक्षक, संहायक शिक्षक (एल.बी.) द्वारा स्थान का चयन किए जाने के उपरांत उनसे सहमति पत्र भरवाया जाएगा। काउंसलिंग प्रारंभ होने के पूर्व ही सहमति पत्र उपलब्ध करा दिया जावेगा। ताकि वे चयन स्थान को छोड़कर अन्य जानकारी पहले से ही भर लेवें। वही काउंसलिंग में यदि कोई अनुपस्थित रहता है तो उसे अंत में अवसर देगें। सहमति नहीं देने वाले पदोन्नत सहायक शिक्षकों की पदस्थापना काउंसलिंग के पश्चात शेष बचे रिक्त पद पर कार्यालय द्वारा की जाएगी।

सुधार कराने एक घंटा पहले अर्जी

आदेश में कहा गया है कि, यदि कोई पदोन्नत सहायक शिक्षक, सहायक शिक्षक (एलबी) प्राथमिकता क्रम में आता हो व काउंसलिंग के प्राथमिकता क्रम में सुधार चाहता हो तो वह काउंसलिंग दिनांक को समय से 1 घंटा पूर्व मय अभिलेख अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते है। दिव्यांग शिक्षक को सक्षम अधिकारी से प्रदत्त प्रमाण पत्र एवं गंभीर बीमारी वाले को जिला मेडिकल बोर्ड से प्रदत्त प्रमाण पत्र की मूल प्रति काउंसलिंग तिथि को साथ लेकर आयेंगे।

विडंबना : 24 एवं 42 एमएलडी इंटेकवेल में फंसे कचरे की सफाई जारी

तीन दिन से पेयजल के लिए मचा हाहाकार, इंटकवेल में फंसा कचरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शिवनाथ नदी के बाढ से इंटकवेल में कचरा लगातार फंसने के कारण शहर में पानी की सप्लाई नही हो पा रही है। जिसके चलते शहर में सभी वार्डो में हाहाकार की स्थिति निर्मित हो गई है। इंटकवेल में खराबी आने के कारण शहर की अठारह पानी टंकी नही भर पाई है। जिसके चलते शहर में पानी की सप्लाई बाधित है। निगम प्रशासन का दावा है कि, गुरूवार को सुबह पानी की सप्लाई हो सकेगी।

पिछले तीन दिनों से शिवनाथ में बाढ लगातार चरम पर है। एनीकट से मंगलवार को दस फिर दूसरे सात फीट उपर बहाव है। ऐसे में बाढ में बहकर आ रहा कचरा इंटकवेल में जाकर फंस रहा है। जिससे इंटकवेल का मोटर पानी नही खिंच पा रहा है। ऐसे में शहर के सभी वार्डो में पिछले तीन दिन से पेयजल की सप्लाई नही हो रही है। नगर पालिक बुधवार को अलसुबह महापौर धीरज बाकलीवाल, जलकार्य प्रभारी संजय कोहले, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित 24 एमएलडी इंटेकवेल के सफाई कार्य हेतु गौताखोर दल को बुलवा कर इंटेकवेल में फंसे कचरे की सफाई करवाते हुए स्थल पर डटे रहे।

निगम प्रशासन और एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा, आज सुबह सप्लाई का दावा

एसडीआरएफ के जवान उतरे नीचे

इंटकवेल की उपरी सतह पर फंसे कचरे को निगम ने निकवा दिया है। लेकिन गहराई में करीब 45 फीट नीचे भी कचरा फंसे होने के कारण एसडीआरएफ की टीम सफाई में जूट गए है। ऐसे में माना जा रहा हैं कि, सुबह तक सप्लाई शुरू हो जाएगी। विदित हो की 3 दिवस निरन्तर बारिश होने से तथा मोंगरा जलाशय से पानी छोड़ने के कारण शिवनाथ नदी में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई।

बुधवार को भी नहीं सकी सप्लाई

बुधवार को निगम के अधिकारी शाम को सप्लाई किए जाने का दावा कर रहे थे। लेकिन शाम को भी सप्लाई नही हो सकी। जल विभाग के प्रभारी संजय कोहले ने दावा किया कि, गुरूवार को सुबह सप्लाई बहान हो जाएगी। शहर के बोरसी, पोटिया, बघेरा, शंकरनगर, शक्तिनगर एवं पद्मनाभपुर एवं शेष 11 एमएलडी की टंकी तांदुला, लुचकी पारा, तकियापारा क्षेत्र, आंमदी मंदिर वार्ड, सिविल लाईन क्षेत्र, स्टेशन रोड, दीपक नगर, रायपुरनाका की टंकियां नही भर पाई। इसी तरह के हालात शनिचरी बाजार, शिक्षक नगर, सिकोलाबस्ती, कर्मचारी नगर, कातुलबोर्ड में भी टंकी नही भर पाई।

पुलगांव नाले की गंदगी भी फंस रही

पूर्व सभापति दिनेश देवांगन का कहना है कि, पुलगांव नाले की सफाई नही किए जाने के कारण इंटकवेल में गंदगी फंस रही है। उन्होने बताया कि, पुलगांव नाले के जरिए बारिश के पानी में बहकर कचरे नदी तक पहुंच रहे है। यही कारण है कि, इंटकवेल से पानी की सप्लाई में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होने बताया कि, बारिश के पहले लगातार नाले की सफाई की मांग की गई, लेकिन ध्यान नही दिया गया। जिसके कारण शहरवासियों को अब भुगतना पड रहा है।

परमिशन के बजाय अन्य बीज बेचने पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

अनुज्ञा में विक्रय बीज के आलावा अन्य बीजों की बिक्री करते पाए जाने पर कडी कार्यवाही की जाएगी। उप संचालक ने उद्यानिकी बीज विक्रेताओं की बैठक लेकर साफतौर पर कहा है कि, अनुज्ञा में उल्लेखित अनुमति के अनुसार ही बीज का वितरण किया जाए।

▪ उप संचालक ने बैठक में दी चेतावनी

बीज अनुज्ञा अधिकारी एवं उप संचालक उद्यान विभाग पूजा कश्यप साहू द्वारा बुधवार को उप संचालक उद्यान कार्यालय में दुर्ग जिले के धमधा वि.ख. के उद्यानिकी बीज विक्रेताओं की बैठक ली गई। इसमें विकासखण्ड धमधा के समस्त उद्यानिकी बीज विक्रेता उपस्थित हुए। बैठक में जिले के समस्त उद्यानिकी बीज विक्रेताओं को समयावधि में अनुज्ञा नवीनीकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही कृषकों को मानक स्तर के बीज उपलब्ध कराने हेतु जिले में विक्रय किये जा रहे उद्यानिकी फसलो के बीजो का ऑनलाईन स्टॉक दर्ज का प्रशिक्षण दिया गया। आगामी माह से ऑनलाईन स्टॉक एण्ट्री करने हेतु निर्देशित किया गया। जिससे किसानो को विक्रय किये जा रहे उद्यानिकी फसलों के बीज की जानकारी विभाग के संज्ञान में रहे।

नवीनीकरण कराने के भी निर्देश

बीज अनुज्ञा अधिकारी द्वारा बीज विक्रेताओं को अनुज्ञा में शामिल कंपनियों के ही बीज विक्रय करने व यदि अन्य कंपनियों के बीज विक्रय किए जा रहे हो तो उसे अनुज्ञा में शामिल कराने सुनिश्चित करने कहा गया। उन्होने कहा कि, यदि निरीक्षण के दौरान अनुज्ञा के अतिरिक्त कंपनियों के बीज विक्रय करते पाए गए अथवा बीज अनुज्ञा की वैधता समाप्ति उपरांत ज विक्रय करते पाया गया तो बीज अधिनियाम अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

प्रसव बाद मरीजों के टांका खुलने का मामला संसद में गर्माया

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मानसून सत्र के तीसरे दिन दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने विधानसभा के सदन में बड़ा सवाल उठाया।

महिलाओ के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को उजागर करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अमले की लापरवाही को सदन के पटल पर रखते हुए सरकार का ध्यान आकर्षण कराए।

▪ विधायक गजेंद्र यादव ने विधानसभा में उठाया

प्रसव पश्चात महिला मरीजों के टांके खुलने की लगातार शिकायत प्राप्त होने पर विधायक गजेंद्र यादव ने मामले को संज्ञान में लिया और सदन पर सवाल पूछकर सम्बंधित मंत्री से जवाब मांगे। विधायक श्री यादव ने आज के मानसून सत्र में प्रश्नकाल के दौरान दुर्ग जिला अस्पताल में पिछले 2 वर्ष में कितने प्रसव सर्जरी से किये गये हैं ? व कितने मरीज के टांके खुलने की शिकायत पर पुनः भर्ती हुए? इसके क्या कारण रहे तथा क्या कार्यवाही की गई ? का सवाल उठाकर जिम्मेदारो पर कार्यवाही करने सदन में सरकार से आग्रह किये। मंत्री ने बताया कि, दुर्ग जिला अस्पताल में पिछले 02 वर्षो में कुल 6214 प्रसव सजरी से किये गये है व 16 मरीज टांके खुलने की शिकायत पर पुनः भर्ती हुए। टांके खुलने के मुख्य कारण प्रसव पश्चात रोगी के द्वारा स्वच्छता का ध्यान न रखना, उचित आहार पोषण न लेना एवं ओबसिटी है। प्रसव पश्चात प्रसूता महिलाओं की स्वच्छता एवं पोषण विषय पर काउंसलिंग किया गया तथा टांके खुलने की शिकायत वाले मरीजों का उपचार किया गया।

ओडीएफ प्लस मॉडल के लिए कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग। जिले के समस्त गांव को ओडीएफ प्लस माडल श्रेणी में लाने विभागीय अमले द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत पाटन के 138 ग्राम पंचायतों में से 137 ग्राम ओडीएफ प्लस माडल की श्रेणी में आ चुके हैं। जनपद पंचायत पाटन जिले का प्रथम ओडीएफ प्लस विकासखंड बनने की ओर अग्रसर है। इस अभियान को गति प्रदान करने के लिये आज 24 जुलाई 2024 को स्वामी आत्मानंद आडिटोरियम पाटन में समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं स्वच्छाग्राहियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 400 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिपं. सीईओ अश्वनी देवांगन द्वारा जिले को राज्य का प्रथम ओडीएफ प्लस माडल जिला बनाए जाने के लिये प्रेरित किया। स्वच्छाग्राहियों के मानदेय के लिये 15वें वित्त आयोग एवं यूजर चार्ज से प्राप्त राशि से प्रतिमाह दिये जाने के निर्देश दिये हैं। सेग्रीगेशन वर्कशेड में पृथक्कीकृत किये गये ठोस कचरे को व्यवस्थित रूप से रखने हेतु पृथक खण्ड का निर्माण 31 जुलाई, 2024 तक किये जाने के निर्देश दिये गये है।

पीएम आवास : हितग्राहियों ने खुद निकाली लॉटरी, 32 को मिला आवास

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के मकान को किराएदारी में निवास करने वाले लोगों को बुधवार को आवास आबंटन के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देशानुसार सहायक नोडल अधिकारी जितेंद्र समैया, सूडा द्वारा पदस्थ प्रीतेश वर्मा, दीपक संचेती की उपस्थिति में लॉटरी निकाली गई।

▪ 10 फीसदी राशि जमा करने के बाद लाटरी में शामिल

निगम के डाटा सेंटर में 32 हितग्राहियों को लाटरी द्वारा आवास आबंटित किया गया। जिससे उनका खुद के आवास का सपना पूरा हुआ। बता दे कि 32 हितग्राहियों ने खुद ही पर्ची के माध्यम से लॉटरी निकाली। जिसमे पोटियाकला से 29, गणपति विहार से 8, मां कर्म बोरसी 1, गोकुल नगर 1, सरस्वती नगर 2 शामिल है। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने सभी हितग्राहियों को शुभकामनाएं दी। नगर निगम अधिकारियों के बीच हितग्राही अपने स्वंय का मकान पाकर खुशी से झूम उठे और उन्होंने शासन प्रशासन के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री आवास योजना के लॉटरी में शामिल होने के लिए दोपहर से ही हितग्राही आवास पाने के इंतजार में निगम में उपस्थित हो गए थे। 10 प्रतिशत राशि जमा करने पश्चात हितग्राहियों का नाम लॉटरी में शामिल किया गया था। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।

आध्यात्मिक वर्षावास में साध्वी प्रभा ने लोगों को किया संबोधित

साधु वंदना में विनय के गुणों का हो समावेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन बांदा तालाब दुर्ग में आध्यात्मिक वर्षावास में धर्म सभा को संबोधित करते हुए मधुकर मनोहर शिष्या साध्वी श्री सुमंगल प्रभा ने कहा कि, आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज द्वारा रचित बड़ी साधु वंदना के विषय पर चल रहा है। इस वंदना में विनय की महत्ता पर सारी गर्भित चर्चा चल रही हैं।

▪ मधुकर रतन भवन बांदा में आध्यात्मिक वर्षावास

विनय सभी गुणों का आभूषण है। जैसे आकाश का आभूषण सूर्य है, कमलवन का आभूषण भ्रमर है वाणी का आभूषण सत्य है, वैभव का आभूषण दान है मन का भूषण निर्मलता, पवित्रता है सज्जन का मूषण सुभाषित है। इसी तरह सब गुणों का भूषण विनय है विनयशील व्यक्ति कुछ नहीं देकर भी प्रेम और विश्वास अर्जित कर लेता है. जबकि विनयहीन विशिष्ट पदार्थ देकर भी प्रेम को तोड़ देता है। उत्तराध्ययन सूत्र- २१वें अध्ययन में सम्यक्त्व पराक्रम के 10-11वे सूत्र में प्रभु महावीर से गौतम स्वामी के संदर्भ में धर्म सभा में संबोधित करते हुए कहा प्राणी मात्र को वंदन करने से जीव को लाभ प्राप्त होता हे शुद्ध एवं पवित्र भाव से वंदन नमस्कार करने से उच्च गौत्र तीर्थकर नामकर्य का उपार्जन हो जाता हैं।

कर्मों के कारण सुख-दुख

साध्वी श्री ने कहा अपने-अपने कर्मों के हिसाब से जीवन में सुख दुख का आना जाना चलता रहता है जो जीवन के अंतिम क्षण तक चलता है हमारा देश हमेशा सकारात्मक की ओर बने रहना चाहिए सरला छत्तीसा बोहरा, नीलम बाफना, अरिहंत संचेती, महेंद्र संचेती, श्रेयांस संचेती, लेखा संचेती, नमिता संचेती आठ उपवास की तपस्या की ओर अग्रसर है।

जीवन में हो विनम्रता

भक्ति रस की एक अमर रचना है। इसका पहला शब्द नमु यानी नमन प्रणाम होता है। जिनके जीवन में विनय है। वह विनम्रता से सभी को जीत लेता है। विनम्रता जीवन का अनमोल गहना है। जिससे हम धर्म मानते हैं उसमें विनय का होना अत्यंत आवश्यक है। गुरु मधुकर मनोहर शिष्या डॉ सुमंगल प्रभा ने कहा हम सभी के जीवन में आज विनय का बहुत ही अभाव है।

जिला चिकित्सालय में जरूरतमंद को किया रक्तदान

दुर्ग। जिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ प्रवीण अग्रवाल एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रबंध कारिणी सदस्य दिलीप ठाकुर के मार्गदर्शन में रेगुलर ब्लड डोनर जितेश जैन रेगुलर द्वारा निगेटिव ब्लड रक्तदान किया गया। वे पंद्रह साल से जरूरत मंदों को रक्तदान करते आ रहे हैं। शिविर में ब्लड बैंक के नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती सती गुप्ता, काउंसलर एंथोनी, लैब इंचार्ज रूपेश सरपे, लैब टेक्नीशियन दिनेश, तीरथ, निगार, कौशल आदि उपस्थित थे।

Health Town
K'sagar's
श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुवैद, स्वथ्य जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

विशाल कावड़ यात्रा 28 को

अंडा। भव्य कावड़ यात्रा मटिया, टिकरी, से हो कर निकलेगी जिसमे शिव भक्त ग्राम भिलाई, तिलखैरी, गोरकापार से चीचा व आस पास के गाँव ओडारसकरी होते हुए कावड़ यात्रा मे शामिल होंगे। जिसमें कुंवारी माता कातरो वाली और पातटेश्वर धाम से संत राम बालक दास शामिल टिकरी अर्जुनदा से होकर कमरौद जायेगा जिसमे विशाल झांकी संगीत उत्सव रहेगा। शिव भक्त अपने-अपने घर से जल लेकर 28 जुलाई रविवार को कमरौद शिवजी में जलाभिषेक करेगें, जिसकी जानकारी विनय कुमार युवा सामजिक कार्यकता ने दी और लोगों को कावड़ यात्रा मे शामिल होने की अपील की है। जिसमे वामन साहू, पंकज चौधरी, कमलकिशोर, संजय साहू, शिखर राजपूत, श्याम सुंन्दर शिखर रहेंगे। आस पास से खुरसूल देवरी , मोहदीपाट, गब्दी, मटेवा, भरदाकला, बोडेना, डुडिया के ग्रामीण शिव भक्त शामिल होंगे।

आंगनबाड़ी केन्द्र में किया पौधारोपण

अंडा। चंदखुरी में पौधारोपण अभियान आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 1,2,3,4,5,6 के आगंनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि के सहयोग से पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सरपंच हेमलता देशमुख, उपसरपंच खेमलाल चंद्राकर, जनपद सदस्य दीपिका चंद्राकार, मनोज चंद्राकर , आँगनबाडी कार्यकर्ता रेखा,लता, चम्पा,गजेश्वरी,सुनिता, हिमानी एवं महतारी वंदन से लाभान्वित महिलाएं प्रतिमा, दुलारी,सरिता, सती,क्षमा, कुन्ती, टाकेश्वरी महिलाओं के नाम से कटहल एवं लक्ष्मी तरू का पौधा लगाया। महिलाओं को जल संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई और महतारी वंदन के पैसे के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर सरपंच हेमलता देशमुख ने कहा कि एक पेड़ चार आक्सीजन सिलेंडर की पूर्ति करती है, वातावरण को शुद्ध रखना हैं तो जरूर पेड लगाये क्योकि पेड पौधा जीवित रहेगें तभी हम लोग भी जीवित रहेंगें। पेड को बढा करने का संकल्प लिया।

सावन माह के लगते ही वर्षा से किसानों में खुशी की लहर

अकाल की आशंका के बीच राहत भरी बारिश से किसानों में जगी आस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

पाटन सहित आसपास क्षेत्र में मौसम ने करवट बदलते हुए बिजली और गर्जना के साथ बारिश हुई। जो किसान अकाल आशंका से भयभीत हो गये थे उसे हुई वर्षा ने जलते हुए धान के पौधे को राहत दी है। किसान अवर्षा के कारण किसान कृषि कार्य करना ही छोड़ दिये थे। बोता के धान खेत में जैसे थे वैसे ही स्थिति में थे। रोपाई के लिए थरहा भी बढ़ गये थे और गर्मी के कारण जलने लगे थे। भूमि जल स्तर भी कम होने से बोर पंप भी हाँफने लगे थे और आधे से एक घंटे चलने के बाद रुकने लगे थे।

अब वर्षा से कृषि कार्य गति पकड़ने के साथ ट्युबवेल के जल स्तर के सुधार होने से रोपाई कार्य के साथ बियासी कार्य भी तेजी से हो रही रही है। इससे पहले जून-जुलाई महीने में ढंग से बारिश नहीं हुई थी। इसके बाद जुलाई माह के अंतिम दिनों में मानसूनी बारिश से किसानों के चेहरों पर रौनक लौटा दी है। जुलाई माह में वर्षा नहीं होने से किसान कृषि कार्य के लिए पानी की कमी के साथ धान के थरहा भी गर्मी से जलने लगे थे।

अब लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम के बदलते ही लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पाटन क्षेत्र में बुआई के लिए शुरुआती वर्षा अच्छी होने के कारण करीब 90 प्रतिशत किसानों ने बुआई कर लिए थे। लेकिन उसके बाद अवर्षा की स्थिति बन गई थी। इस वर्षा से तालाब नदी, नाले छोटे स्टापडेम, चेक डेम सभी भर गये हैं। एनीकट भी छलकने लगा है । सेलूद के कृषक महेश्वर बंछोर ने बताया कि अट्ठाइस एकड़ में रोपा पद्धति से खेती करते हैं। जून जुलाई के माह में थरहा डाला दिये थे। रोपाई के लिए खेत भी तैयार कर लिये थे लेकिन खेत में पांच तीन व दो एचपी के पंप चलने के बाद भी कृषि कार्य गति नहीं पकड़ रही थी लेकिन इस पानी से खेती कार्य में गति आयेगी। किसानों ने रोपा के लिए थरहा डाल दिये और थरहा रोपाई के लिए तैयार भी हो गया था। छोटे किसान धीरे-धीरे करके रोपाई कार्य कर रहे थे लेकिन बड़े किसानों के कृषि कार्य अब गति पकड़ेगा । जो किसान पहली बारिश से बुआई व थरहा डालने का कार्य कर लिये थे। उनके खेतों में धान के बड़े बड़े पौधे दिखाई दे रहा है। और जो जून के प्रथम सप्ताह में ही थरहा के बीज डाल दिये थे। उनकी रोपाई कार्य भी इस बारिश के बाद से शुरु हो गई है। ट्युबवेल रिचार्ज नहीं होने के कारण बड़े किसान लेकिन किसान चिंतित हो गये और पानी की आपूर्ति नहीं होने पर रोपाई का कार्य भी रुक गया था । अब वर्षा से रोपाई कार्य के साथ बियासी के कार्य भी तेजी से हो रही है। इसलिए इस वर्षा से जहां लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है और पूर्णतः कृषि कार्य के लिए यह पानी अभी पर्याप्त नजर आ रहा है।

धान की रोपाई और बियासी के कार्य में आई तेजी

कुम्हारी में कर्मचारियों ने की कलमबंद हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

नवनियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ द्वारा अपनी मांगों को लेकर तीन चरणों में आंदोलन किया जा रहा है। जिसके प्रथम चरण में काला फीता लगाकर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया इसके पश्चात द्वितीय चरण में सोमवार को पूरे प्रदेश के सभी नगरीय निकाय मे कलम बंद हड़ताल किया गया। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद कुम्हारी के सभी कर्मचारियों द्वारा कलम बंद रख कर विरोध व्यक्त किया, संघ द्वारा मांगों का समर्थन किया गया।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ के अधिकांश नगरीय निकायो में 2 से 4 माह का वेतन भुगतान लंबित रहता है जिससे अधिकारियों कर्मचारियों को परिवार का भरण-पोषण करने में विकराल समस्या उत्पन्न हो जाती है साथ ही मानसिक तनाव भी बना हुआ रहता है। उक्त संबंध में विभागीय मंत्री जी को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है किन्तु समस्या अबतक जस की तस बनी हुई है।

■ ड़ताल में निकाय के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया

संघ द्वारा लगातार समस्या का स्थायी निदान हेतु सम्बंधित मंत्री जी से लेकर उच्च कार्यालय से किया गया किन्तु कहीं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संघ के आव्हान पर पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश नगरीय निकायो में चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। कलमबंद हड़ताल सरकार की ओर ध्यान आकर्षण कराने हेतु रखी गई है। उक्त हड़ताल में निकाय के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

स्वास्थ्य विभाग के मैदानी इलाके में हैं विभिन्न समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर दुर्ग से सौजन्य मुलाकात कर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा गया। जिसमे मुख्य रूप से टीकाकरण सत्र तक वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन व्यवस्था दुरुस्त करने, लंबे समय तक लंबित पड़े भुगतानो तथा स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त कार्यों के प्रभार से शासकीय सेवाओं उत्पन्न होने वाली समस्याओं तथा मरीजों को होने वाली असुविधाओं से अवगत कराया गया। अपर कलेक्टर द्वारा जल्द ही सभी समस्याओं के निराकरण करने ठोस आश्वाशन दिया गया। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण रात्रे, नीलकमल साहू, मुकेश साहू,अनुसुईया साहू,राकेश सार्वा, भाग्यलक्ष्मी धुरंधर,प्रदीप चंद्रा,वीरेंद्र सिंहा

एक पेड़ मां के नाम से पौधारोपण, किया जागरूक

ननकट्टी। राजपूत समाज बारह बयासी दुर्ग उत्तर महिला मंडल ने एक पेड़ माँ के नाम से पौधा रोपण किये। पर्यावरण संतुलन बनाये रखने व संरक्षण करने के उद्देश्यों को लेकर भवन के पास छाया व फलदार वृक्ष लगाकर हरे भरे रखने संदेश दिए साथ मे उपसमिति के पदाधिकारियों ने भी सहयोग व पौधारोपण कर पौधों के देखभाल करने का संकल्प लिया। बता दें राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ उपसमिति दुर्ग उत्तर के महिला मंडल हमेशा संगठन में सक्रियता रखते हुए समाजसेवा करते आ रही है। महिला मंडल अध्यक्ष मनीषा राजपूत के नेतृत्व में मिनी ठाकुर, अनिता शेंगर,शीला राजपूत,नीलिमा राजपूत, दामनी भुवाल, नेहा राजपूत, ललिता राजपूत, सँतोषी राजपूत, गीता राजपूत, भावना राजपूत, धनेश्वरी राजपूत, सरस्वती राजपूत ने सैकड़ों फलदार छायादार पौधारोपण किये। इस अवसर पर उपसमिति के पदाधिकारियों में कौशल सिंह, प्रताप चंदेल,रोहितास भुवाल,लोकेश्वर आदि उपस्थित थे।

महिला समूह घर-घर जाकर कर रहे कचरा उठाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अंडा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांव परिसर में सफाई अभियान चला रहा है। इसके तहत डोर टू डोर कचरा उठाने का काम शुरू हो चुका है। इसके लिए गांव के सभी 1 वार्ड से 20 वार्ड तक चल रहे हैं। लोगों में जागरूकता लाने व वाहन आने पर मिले डब्बे में कचरा रखने के लिए पहले वाहन के सफाई कर्मी सीटी बजाते हैं। इस बीच सफाई को और बेहतर करने के लिए और लोगों को कचरा एक जगह पर जमा करने व घर उठाने के लिए पंचायत व्दारा एक नई पहल की है। जिसपर कचरा उठाव के लिए विशेष सीटी का प्रयोग किया जा रहा है। अब सुबह के वक्त जब वाहन घरों से कचरा उठाव के लिए निकलता है तो सीटी बजता है जिसके बोल हैं- देख-देख इधर उधर कचरा न डाल गाड़ी वाला अब घर से कचरा निकाल। यह सीटी अब लोगों को भी भा रहा है। महिला समूह वाले लोग सीटी बजाते हुए जब मुहल्ले की गलियों में जाता है तो लोग स्वयं अपने घर का कचरा निकालकर वाहन में डाल देते हैं। इससे सफाई कर्मी के साथ ही मोहल्ले के लोग भी संतुष्ट हो रहे हैं। सफाई कर्मियों का कहना है कि पहले सीटी बजाने से भी कचरा के प्रति लोग जागरूक हो गये हैं, और आसानी से कचरा घर के बाहर मिल जा रहा है। गांव के सरपंच उमा देवी चंद्राकर ने कहा कि गांव को एक स्वच्छ भारत अभियान चलाकर एक सुन्दर गांव बनाना हैं। वही मोहल्ले के शेषनारायण गोस्वामी आदि ने कहा कि ग्राम पंचायत अंडा कि यह पहल अच्छी है । महिला समूह सदस्य सेतु जोशी, संतोषी मार्कण्डेय, प्रेमा निर्मलकर, हेमा मेश्राम, लिलेशेवरी साहू साथ ही लोगों को जहां- तहां कचरा नहीं फेंकना चाहिए।

■ लोगों में जागरूकता लाने चला रहे सफाई अभियान

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में विशेष ऑफर को मिल रहा ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। दुर्ग शहर के हृदय स्थल ओम ज्वेलर्स शॉप नंबर 64 बी इंदिरा मार्केट दुर्ग अपनी डिजाइन व और वैरायटी के सुप्रसिद्ध स्थान है एवं टोटल हॉल मार्क जेवर 18 कैरेट, 20k.22k न्यूनतम मजदूरी के साथ अपने ग्राहकों को हमेशा दी जा रही है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को हमेशा नग मीने कुंदन के ज़ेवर उपलब्ध नहीं करता बल्कि जिसमे ज्यादा लॉस न हो वही ज़ेवर प्रदान किया जाता है। हर 10 ग्राम खरीदी पर निश्चित कुछ ना कुछ गिफ्ट आइटम अपने ग्राहकों को प्रदान की जाती है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को टोटल शुद्ध हॉलमार्क के गहने प्रदान करता है वही पुराने गहनों की भी अच्छी दाम मे वापसी लेता है। ग्राहकों कि विश्वनीयता वर्षो से कायम है नए नए ग्राहकों जो ओम ज्वेलर्स से जुड़ रहे है वो निःसंकोच सरकार द्वारा प्रमाणित huid हॉलमार्क के गहने खरीद सकते है जो शत प्रतिशत खरी है। शादी में दुल्हनों के लिए एक से एक बढ़िया सोने चांदी के लेटेस्ट कलेक्शन गहनों का विशाल श्रृंखला है। देखने को मिलता है हमेशा ही लेटेस्ट व फ्रेश डिजाइन सीधा ग्राहकों को प्रदान की की जाती है। ओम ज्वेलर्स अपने ग्राहकों को टोटल शुद्ध हॉलमार्क के गहने प्रदान करता है वही पुराने गहनों की भी अच्छी दाम मे वापसी लेता है। ग्राहकों कि विश्वनीयता वर्षो से कायम है नए नए ग्राहकों जो ओम ज्वेलर्स से जुड़ रहे है वो निःसंकोच सरकार द्वारा प्रमाणित huid हॉलमार्क के गहने खरीद सकते है जो शत प्रतिशत खरी है। शादी में दुल्हनों के लिए एक से एक बढ़िया सोने चांदी के लेटेस्ट कलेक्शन गहनों का विशाल श्रृंखला है। देखने को मिलता है हमेशा ही लेटेस्ट व फ्रेश डिजाइन सीधा ग्राहकों को प्रदान की जाती है।

बीएम कॉलेज एवं बीएम आईटीआई दुर्ग में प्रवेश प्रारंभ

भिलाई। बीएम कॉलेज, गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग (छग), हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत - बीसीए, बीबीए, पीजीडीसीए एवं बीएड कोर्स संचालित है। बीएड हेतु कॉलेज कोड - 114336 है। बीएड प्रवेश की प्रक्रिया काउंसलिंग के द्वारा होगी। संस्था में उपलब्ध सुविधाएं एसी लैब, क्लासरूम एवं वाई-फाई केंपस। संस्था का विगत वर्षों का रिजल्ट 100% रहा है। बीएम कॉलेज की स्थापना सन 2008 में हुई है। बीएम प्राइवेट आईटीआई, एनसीवीटी दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत ट्रेड- कोपा, इलेक्ट्रीशियन, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, डीजल मैकेनिक, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं स्टेनो हिंदी कोर्स संचालित है। फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट की डिमांड नगर-निगम, रेलवे तथा बड़े-बड़े मॉल्स, हॉस्पिटल, रिफाइनरी फैक्ट्री तथा अन्य एवं हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर की डिमांड नगर निगम तथा रेलवे डिपार्टमेंट में है। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के बजट के अनुसार राज्य के 10 जिलों में फायर स्टेशन की स्थापना होना है जिसमें दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर जिला भी शामिल है। संस्था द्वारा आरक्षित वर्ग हेतु छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र अपनी सुविधानुसार ट्यूशन फीस को किस्तों में भी जमा कर सकते हैं। प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी संस्था में आकर प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी संस्था के प्राचार्य ने दिया। प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 27 जुलाई है।

भारी बारिश के चलते विधायक ने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर कार्य करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

जोरदार बारिश ने पूरे प्रदेश में दस्तक दी है। प्रदेश के साथ साथ दुर्ग ज़िले तेज बारिश का असर देखने मिला रहा है। मोंगरा जलाशय से पानी छोड़ने के कारण यहां नदी-नाले उफान पर है, वहीं कई गांवों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। इस स्थिति को देखते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ज़िला कलेक्टर, ज़िला पुलिस अधीक्षक, जिला सीईओ, अनुविभागीय अधिकारी तहसीलदार सभी अधिकारी कर्मचारियों को फोन के माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही जनपद पंचायत सीईओ के माध्यम से समस्त सचिव को दिशा निर्देश प्रदान किया और कहा कि जहां-जहां बाढ़ की स्थिति निर्मित हो रही हैं उस प्रभावित एरिया का सर्वे करे और प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह पर रखे। प्रभावित लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं और शिवनाथ नदी, तांदुला नदी, खरखरा नदी से लगे ग्रामों में जल भराव स्थिति निर्मित होने पर लोगो को सुरक्षित स्थानों पर रखने और ज़रूरी आवश्यकता समान प्रदान करे।

पुल-पुलिया के ऊपर जाने की कोशिश न करें

विधायक ललित चंद्राकर ने जिले में जारी बारिश को देखते हुए आम नागरिकों से इस दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। विधायक ने कहा है कि शिवनाथ नदी , तंदुला नदी, खरखरा नदी उफान पर है। इसके अलावा जिले के अन्य अंचलों के मौसमी नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि होने पर उनसे सुरक्षित दूरी बनाकर रखे। नदी -नालों के उफान पर होने पर पुल-पुलिया के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में इसे वाहन सहित या पैदल पार करने की कोशिश बिल्कुल नहीं करें। किसी भी हाल में जान जोखिम में ना डालें। ऐसा खुद भी ना करें और दूसरों को भी बढ़े जलस्तर वाले जल स्त्रोत नदी-नाले से सुरक्षित दूरी बनाकर रखने की सलाह दें।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), भिलाई - 03, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202403104300069/अ-20 (1) / वर्ष 2023-24

// ईश्तहार //

आवेदक बी. ए. रामलू आ. स्व. पेन्टैया, निवासी- इंदिरा नगर चरोदा. न.पा.नि. भिलाई चरोदा, जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा बी.ए. रामलू आ. पेन्टैया के नाम पर छ.ग.नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारो का प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 के तहत इंदिरा पारा भिलाई 03, न.पा.नि. भिलाई चरोदा स्थित भू-खंड क्रमांक 11. क्षेत्रफल 28.08 वर्गमीटर के प्रदत्त पट्टे का नवीनीकरण किये जाने हेतु शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं पट्टे की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 31.07.2024 को सुनवाई हेतु नियत है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो, वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 31.07.2024 को समय सुबह 11.00 बजे तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 15.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भिलाई - 03

NAME CHANGE

I, (Old Name) BITAPI SHEETAL SENGUPTA aged 68 yrs, Wife of SHEETAL SENGUPTA, Residing at HOUSE NO. 206, KALPAMUKTA APARTMENT, RISALI, ASHISH NAGAR, BHILAI, DISTT-DURG, (C.G) PIN 490006 have changed my name and shall henceforth be known as (New Name) BITAPI SENGUPTA as declared before the Notary Public /Bhilai-Durg, Vide affidavit No. 52 dated 22/07/2024. (Old Name) BITAPI SHEETAL SENGUPTA and (New Name) BITAPI SENGUPTA both are same and identical person.

Place: BHILAI, DURG (C.G)

DATED: 22/07/2024

Signature
BITAPI SENGUPTA
M.No: 9765414930

खबर संक्षेप

निःशुल्क चिकित्सा शिविर से ग्रामीण हुए लाभान्वित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर ग्राम मचांदुर में हुआ। शिविर में चिकित्सक डॉ. एम सरस्वती, बीपी, शुगर एवं रक्त जांच रेखा देव, फार्मासिस्ट श्री एस बी राय, पंजीयन हेतु श्री मंजूर अली तथा सीएसआर विभाग से श्री माहरा राम मण्डावी उपस्थित थे। इस शिविर में कुल 24 लोगों की जांच की गयी, जिसमें 13 पुरुष और 11 महिला शामिल थे। प शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई।

जसम ने प्रो. शर्मा पर हमले की निंदा की

भिलाई। जन संस्कृति मंच ने डॉ. खूबचंद बघेल शास. महाविद्यालय भिलाई-3 के प्राध्यापक प्रो. विनोद शर्मा पर हमले की निंदा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। शर्मा पर लौटते समय 19 जुलाई को जानलेवा हमला हुआ। हमलावर अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। इससे शिक्षा और साहित्य जगत में आक्रोश है। जन संस्कृति मंच ने मांग की है कि पुलिस द्वारा हमलावरों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

प्लेट मिल में आपदा प्रबंधन अभ्यास

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का प्लेट मिल में आपदा प्रबंधन को मजबूती प्रदान करने और आकस्मिक आपदा से निपटने दुर्घटना के दौरान बचाव कार्य से लेकर दुर्घटना पर काबू पाने माकड्रिल का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे मॉकड्रिल के तहत शाप्स की आपातकालीन तैयारी योजना की जांच के लिए आग की स्थिति उत्पन्न होने पर सभी एजेंसियां घटना स्थल पर पहुंची और पीड़ित को बचाया।

बदलाव : दुर्ग जिला में नब्बे प्रतिशत खेती किसानी के कार्य कृषि यंत्रों से हो रहे

खेतों में बैलों की जगह तेज हुई रोटावेटर और हार्वेस्टर की दौड़

विमल शंकर झा ▶▶|भिलाई

खेती बाड़ी में मशीनों के बढ़ते प्रचलन से बैल युग विलुप्तप्राय की ओर

मानसून की आहट के साथ ही शहर की सरहद खत्म होते ही दूर तक खेतों में फसल की तैयारी में जुटे खेतिहरों के समूह... आपस में एक दूसरे से हंसी ठिठोली और सुख दुख बांटते महिला पुरुष ... और फिर खुद की थकान भूल बैलों के सानी भूसी की चिंता के साथ सांझ ढले अपने गांवों के घरों की ओर गुनगुनाते हुए लौटता धरतीपुत्रों का मेला..मोर संगवारी रे ...झिमिर झिमिर बरसे पानी रे... बड़ मजा है धान के बुवाई मा, फिर कटाई अऊ लुवाई मां..।

खेती किसानी के मौसम में कुछ साल पूर्व तक ट्विनसिटी के आसपास खेतों में दिखाई देने वाले यह खुशनुमा दृश्य अब तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं। खेत खलिहानों में पसीना बहाते मस्ती से गांवों के किसानों और खेतिहरों की गुरतुर लोकगीतों और हीरा मोती की जगह मशीनों की कर्कश आवाज ने ले ली है। विकास और यंत्रीकरण के बदलते दौर के साथ खेतों में समूचा कृषि कार्य अब बैल युग की जगह हाईटेक हो चला है। भिलाई दुर्ग सहित जिले बल्कि पूरे दुर्ग संभाग में भी खेती बाड़ी के कामकाज के तौर तरीके बदल रहे हैं। विकास और यंत्रीकरण के बदले दौर के साथ खेतों में कृषि कार्य हाईटेक हो चला है। पंजाब और हरियाणा आदि कई राज्यों की तरह धान और अन्य फसल की जोताई, बुवाई से लेकर कटाई और मिंजाई तक अधिकतर कार्य नागर, हंसिया, रापा और कुदाली की जगह कई आधुनिक कृषि यंत्रों से हो रहे हैं। लोगों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुर्ग संभाग में 90 प्रतिशत कृषि कार्य में मशीनों यानी कृषि यंत्रों का उपयोग हो रहा है। कल्टीवेटर से खेतों को ठीक करने और हैरो व डिस्क प्लाउ मशीन से जुताई, प्लांटर से बुवाई और और हार्वेस्टर से कटाई व मिंजाई हो रही है। इतना नहीं कई बड़े किसान तो ड्रोड़ से कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव भी कर रहे हैं। किसानों और कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक अन्य क्षेत्रों की तरह खेती किसानी के क्षेत्र में भी मशीनीकरण बढ़ने की वजह सुपर कंप्यूटर के दौर में तेजी से घूमता विकास का पहिया है। 2 दशक पूर्व तक पिछड़ा माने जाने वाले छत्तीसगढ़ में भी हार्वेस्टर कल्चर विकसित होने का मूल बदलाव की अनिवार्यता, खेतिहर मजदूरों की किल्लत,लागत और वक्त की बचत, अधिक सहूलियत, मनरेगा योजना, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में सरकारी की बदलती कृषि नीति आदि है। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संघ के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता बताते हैं कि दुर्ग संभाग ही नहीं बल्कि बस्तर व सरगुजा को छोड़कर पूरे छत्तीसगढ़ में 90 प्रतिशत मैनुअल कार्य का मशीनीकरण हो चुका है। पांच एकड़ से कम के किसान, जहां जमीन गीली है और जहां हार्वेस्टर नहीं जा सकता, मैनअल कटाई जुताई जैसे काम हो रहे हैं। जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष और किसान नेता प्रीतपाल बेलचंदन बताते हैं कि कृषि में विकास वक्त की मांग है लेकिन जैविक खेती को प्रोत्साहित कर जमीन व उपज की गुणवत्ता के साथ ग्रामीण रोजगार व गौवंश को भी बचाया जा सकता है। हमारे जिले में 99 प्रतिशत, खेती मशीन से हो रही है।

हार्वेस्टर, मनरेगा व फ्री चावल से खेतिहर संकट

साठ के दशक में दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म आई थी नया दौर,जिसमें दिलचस्प ढंग से दिखाया गया था कि गांव में लारी (बस) आ जाने से तांगों के बाहर होने की नौबत आ जाती है। खेती किसानी में मशीनीकरण का उपयोग विकास की दृष्टि से जरूरी है लेकिन इसके साइड इफेक्ट से भी ग्रामीण चिंतित हैं। किसानों के अनुसार अन्य राज्यों की तरह हमारे जिले में भी खेतिहर कार्य पिछले डेढ़ दशक से बढ़ रहा है। इसमें उद्योगीकरण की जरूरत के साथ मशीनों के चलन को बढ़ावा मिलने का कारण मैनुअल की बजाय कृषियंत्रों अधिक स्पीड व कार्यक्षमता से किसानों को सुविधा और लाभ होने के अलावा वर्ष 2006 में केंद्र सरकार द्वारा सौ दिन रोजगार की गारंटी वाली मनरेगा योजना को लागू करना और हार्वेस्टर का चलन प्रमुख है। किसानों के लिए यह यह वरदान साबित होने के साथ कुछ हद तक अभिशाप भी प्रतीत हुई। मनरेगा में अधिक दर पर रोजगार और फिर मुफ्त सरकारी चावल मिलने और शराब का प्रचलन बढ़ने से गांवों में मजदूर खेतिहर मजदूरों के खेती किसानी कार्यों से जी चुराने चुराने की दुष्प्रवृत्ति ने खेतिहर मजदूरों के संकट का जन्म दिया। बुवाई मिंजाई जैसे खेतिहर कार्यों में हल और बैल काम होने जा रहे हैं। अब बछड़ों को बैल बनाने का काम बंद हो गया है और मशीनीकरण से शहरों व सड़कों में आवारा मवेशी की विकट और दर्दनाक समस्या बढ़ रही है। महंगे पशुआहार व जगह की कमी से घरों में गौपालन बेहद कम हो गया है। यह डेयरी तक सिमट गया है। गुंडरदेही के दौवाराम चंद्राकर बताते हैं कि हमारे आसपास गांवों में अब धानकटाई, बोआई व जुताई जैसे कार्यो में मशीनों का उपयोग बहुत बढ़ गया है बैलों की मांग कम हो रही है। जिस काम को हार्वेस्टर व ट्रेक्टर 2,3 घंटे में कर देते हैं उसे बैल व मजदूर दो तीन दिन में करते हैं। मशीन से लागत भी कम आती है। लेकिन मजदूर नहीं मिलने से खेत बेचने, रेग में देने की समस्या बढ़ रही है।

कृषियंत्र जरूरी पर गौवंश व रोजगार भी बचे

कृषि विशेषज्ञ और किसान नेताओं के मुताबिक प्रगति के लिए देश दुनियावयापी एवो मशीनीकरण से दुर्ग जिला या छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं रह सकता है पर इसके साथ ही जैविक उपयोग और रोजगार सवंर्धन पर भी सरकार को ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सहकारिता नेता

प्रीतपाल बेलचंदन बताते हैं कि विकास के लिए कृषि में यंत्रीकरण मजबूरी है लेकिन जैविक खेती को भी सरकार का प्रोत्साहन जरूरी है, ताकि खेती कार्य व गोबर खाद उपलब्धता और जमीन तथा अनाज की गुणवत्ता के लिए बैल व गौवंश की रक्षा हो सके। ब्लाक स्तर पर कृषिउपकरण वितरण व गौवंश को रखने सेंटर विकसित हों। किसान नेता राजकुमार गुप्ता चाहते हैं कि कृषि के बढ़ते मशीनीकरण ने ग्रामीण बेरोजगारी व सड़कों पर मानव व पशु दुर्घटना वाली आवारा मवेशियों की समस्या को जन्म दिया है। सरकार को खेती से मनरेगा को जोड़ने के साथ बैल यानी पारंपरिक खेती को भी बढ़ावा देने की जरूरत है, जिससे रोजगार व उर्वरता भी बनी रहे। गौपालन के लिए चारे आदि के लिए ग्रामीणों को सब्सिडी दी जाए। उल्लेखनीय है कि यहां बुवाई, जुताई, मिंजाई, कटाई, निंराई, सफाई, कोड़ाई,घास आदि खरपतवार कटाई, रोपाई, बियासी, ढुलाई और खाद व पेस्टीसाइड छिड़काव आदि कृषि कार्यो के लिए हार्वेस्टर, ट्रेक्टर, शीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल,पावरवीडर,पावरटिलर क्रेशर,एमबी प्लाऊ, हैरो,डिस्क प्लाऊ, कल्वीवेटर, रोटावेटर, प्लांटर, पडलर, डिस्क हल,स्टेनलेस स्टील हल और द्रोड़ आदि अनेक कृषि यंत्रों का 90 प्रतिशत उपयोग हो रहा है।

बजट पर प्रतिक्रिया

बजट रोजगारोनमुखी: सत्यनारायण

भिलाई। लघु उद्योग भारती सर्विस इकाई भिलाई ने कहा है कि यह बजट 2024 एमएसएमई क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला बजट है। इसके लिए ईकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्रालय एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार माना है। भिलाई, लघु उद्योग भारती छत्तीसगढ़ प्रांत की ओर से सत्यनारायण अग्रवाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, राजेश अग्रवाल, सुरेंद्र पाठक, दुर्गा प्रसाद ,दीपक अग्रवाल ने इस क्रांतिकारी बजट 2024 के लिए प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री का आभार प्रकट किया है। उनका कहना है कि बजट 2024 में युवाओं, महिलाओं एवं छोटे कारीगरों के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करने की विभिन्न घोषणाओं से क्षेत्र के उद्यमी एवं व्यापारी काफी प्रसन्न है। एमएसएमई क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी. विशेष कर ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की योजना से उद्योगो को प्रगति के नए रास्ते प्रदान करेगा। अधिकांश मध्यम वर्गीय व्यापारियों एवं उद्यमियों को टीडीएस के नियम को आसान किए जाने की घोषणा से राहत मिली है तथा इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव से हर टैक्पेयर्स को फायदा होगा। बजट में 12 इंडस्ट्रियल हब को मंजूरी मिलने के बाद एमएसएमई सेक्टर में और भी ज्यादा विकास होगा और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही एमसीबी के लिए वित्तीय पैकेज का जो ऐलान किया गया है, वह भी काफी ज्यादा फायदेमंद होगा।

केंद्रीय बजट में गांव, गरीब, किसानों तथा मध्यमवर्गीय लोगों की चिंता की गई: शिव

भाजपा नेता शिव चंद्राकर ने कहा है कि कांग्रेस व अन्य विरोधी दलों के लोगों द्वारा इस बजट को सरकार बचाने वाली बजट कहा जा रहा है जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है । इन्हें नहीं मालूम है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ना किसी से डरने वाले हैं ना थकने वाले हैं उनका तो एक ही लक्ष्य है निरंतर कर्म ही मेरा धर्म है के सिद्धांत पर चलने वाले है। वह कभी भी किसी के दबाव में काम करने वाले नहीं है उनका हमेशा से ही एक ही लक्ष्य रहा है की देश की सेवा में मेरा जीवन समर्पण करना है हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्य वर्गों के लिए 7.7 5 लाख तक आए पर शून्य कर कैंसर के दवाई पर इंपोर्ट ड्यूटी खत्म, मोबाइल और मोबाइल चार्ज को सस्ता, सोलर पैनल पर कस्टम ड्यूटी सस्ता, चमड़े से बने सामान सस्ता, सोना चांदी सस्ता, 4 करोड नए रोजगार, शिक्षा व कौशल के विकास के लिए बजट, महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ की योजना, किसानों के लिए 152 लाख करोड़ की योजना ऐसी अनेक योजनाएं जो देश को समृद्धि की ओर ले जाने वाली है भारत को आने वाले समय में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने में यह बजट बहुत ही सार्थक सिद्ध होने वाला है।

किसानों को मिलेगा लाभ: विनायक

दुर्ग जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा विनायक ताम्रकार ने कहा है कि इस बजट में कृषि पर 1.5 लाख करोड़ खर्च होंगे और 6 करोड़ किसान की जमीन का रजिस्ट्री रिकॉर्ड में दर्ज होगा। इससे उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड बनाने में आसानी होगी । 400 जिले में खरीफ फसल के लिए डिजिटल फसल सर्वे होगा। जिससे उन्हें बीमा का लाभ एवं प्राकृतिक आपदा की स्पष्ट जानकारी मिलेगी। 2 साल में एक करोड़ किसान को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाएगा जो स्वागत योग्य है। इसके आगे छत्तीसगढ़ सरकार को अपने बजट में अटल ज्योति योजना में 24 घंटे विद्युत देने की योजना तथा एफपीओ के माध्यम से किसानों को उसके उत्पादन की उचित मूल्य मिले इसके लिए खरीफ सीजन और रवि सीजन की खरीदी सहकारी समिति के माध्यम से की जाए। सरकारी एजेंसी नाफेड एवं एफसीआई तथा एनसीसी एफ के साथ मिलकर कृषकों की आर्थिक स्थिति को सुधारी जाए।

बजट विश्वासघात का दस्तावेज: सोनी

भिलाई स्टील मजदूर सभा (एटक) के महासचिव विनोद कुमार सोनी ने केंद्र सरकार बजट को विश्वासघात का दस्तावेज बताया है। बजट से मजदूरों, किसानों, बेरोजगारों और वंचितों को कोई उम्मीद नहीं मिली है। बजट छात्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को धोखा देता है। अमीरों व कारपोरेट के पक्ष में है। यह एक और अमीरों और कॉर्पोरेट के पक्ष में बजट है । कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कोई रोडमैप या प्रतिबद्धता नहीं है।श्रमिकों के वेतन वृद्धि या गारंटीकृत मजदूरी की कोई बात नहीं की गई है। उनके सुरक्षा उपायों या सामाजिक सुरक्षा कवरेज के बारे में कुछ नहीं कहा गया। बजट असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कुछ भी नहीं देता है । बुनियादी ढांचे के निर्माण के नाम पर निजी क्षेत्र को सबसे ज्यादा फायदा फायदा पंहुचाने वाला है।विदेशी कॉरपोरेट्स पर टैक्स 40 से घटाकर 35 प्रतिशत किया गया। कॉरपोरेट्स टैक्स नहीं बढ़ाया गया, न ही संपत्ति कर और न ही विरासत कर लगाया गया। वित्तीय स्थिति को संभालना मुश्किल होगा और एक बार फिर गरीब, निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जब कीमतें बढ़ेंगी और विभिन्न वस्तुओं पर अधिक उपकर लागू होगा।सरकार ने इंकम टैक्स स्लैब में एक छोटा सा झुनझुना पकड़ा दिया गया है।

महिला विकास के लिए बेहतर बजट: अजीत

अजीत चंद्राकर महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा दुर्ग ने कहा कि यह बजट युवाओं के लिए बहुत ही अच्छा है प्रधानमंत्री की दुरगामी सोच आने वाले समय में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनेगी किसानों और गरीब के लिए भी अच्छा बजट है स्वास्थ्य के लिए महिला विकास के लिए बहुत बढ़िया बजट है।

पं. सुन्दर लाल शर्मा विवि की प्रीबीएड परीक्षा 28 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

पं. सुन्दर लाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा संचालित बीएड व डीएलएड कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा रविवार 28 जुलाई को संपन्न होगी। विश्वविधालय द्वारा आयोजित इस प्रवेश-परीक्षा में प्रदेश भर से बीएडकी 5 सौ सीटों के लिए 41 सौ से अधिक तथा डी.एल.एड की 25 सौ सीटों के लिए 37 हज़ार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे ।

दुर्ग में जिले में शास.विश्वनाथ तामस्कर यादव स्नातकोत्तर महाविधालय, दुर्ग तथा कल्याण स्नातकोत्तर महाविधालय, भिलाई परीक्षा केन्द्र रहेंगे। राजनांदगांव जिले में शास. दिग्विजय महाविधालय, शास.शिवनाथ विज्ञान महाविधालय तथा रॉयल कॉलेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। कबीरधाम जिले में शास. आचार्य पंत नाम साहेब स्नातकोत्तर महाविधालय एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कवर्धा को विश्वविधालय ने परीक्षा केन्द्र बनाया है। बेमेतरा जिले में शास. स्नातकोत्तर महाविधालय बेमेतरा तथा बालोद जिले में शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविधालय, बालोद को विश्वविधालय ने परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। दुर्ग संभाग के परीक्षा केन्द्रों से प्री.बी.एड परीक्षा में 675. परीक्षार्थी तथा प्री.डी.एल.एड परीक्षा में 4673 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

दो पाली में होगी परीक्षा

परीक्षा दो पाली में होगी। प्रथम पाली में प्री-बीएड परीक्षा सुबह 10 से 12.15 बजे तक होगी । द्वितीय पाली में प्री-डीएलएड परीक्षा दोपहर 2.00 से 4.15 बजे तक संचालित होगी । परीक्षार्थी परीक्षा आरंभ होने के आधा घंटा पूर्व ही परीक्षा केन्द्र पर पहुँच जावें। परीक्षा कक्ष में प्रवेश हेतु परीक्षार्थी को प्रवेशपत्र व पहचान के लिए आधारकार्ड लाना अनिवार्य है । परीक्षार्थी अपना प्रवेशपत्र विश्वविधालय की वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते है।

जाति प्रमाण पत्र के दस्तावेजों की जांच करने बनी कमेटी, सामान्य सभा में उठा था मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए यहां के निवासीयो को परेशानी हो रही थी। उसके समाधान के लिए सामान्य सभा के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया था। सामान्य सभा में चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि जॉच समिति गठित किया जावे। जो सभी बिन्दुओ पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे एवं उसी के आधार पर जाति प्रमाण पत्र जारी किया जावे।आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव द्वारा समिति का गठन किया गया।

जांच कमेटी में उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे को अध्यक्ष, प्रभारी अधिकारी नवीन कुमार साहू को सचिव एवं जोन के सहायक राजस्व अधिकारी मलखान सिंह शोरी, धीरज साहू, जे.पी.तिवारी, अनिल मेश्राम एवं बालकृष्ण नायडू को सदस्य बनाया गया है। समिति की प्रथम बैठक में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए निगम भिलाई में पहले से जमा किये गये आवेदन का परीक्षण किया गया। जिसमें यह पाया गया कि जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन किये है उनसे शापथ पत्र, वंशावली, अनुलब्धता प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य है। जॉच समिति शासन के दिशा निर्देशो के अनुरूप कार्यवाही करेगी। जो भी हितग्राही पूर्व में आवेदन पत्र जमा कर चुके है, वे मुख्य कार्यालय के अनुसूचित जाति जन जाति कल्याण विभाग में संपर्क कर सकते है। आवेदको को इस संबंध में विभाग से पत्र भी जारी किया जा रहा है।

बीएसपी के यांत्रिकी सेवाएं में सुरक्षा सप्ताह

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के यांत्रिकी सेवाएं विभाग द्वारा सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के एसके गजभिये थे। यांत्रिकी सेवाएं विभाग के सभी अनुभाग, ईबीएसआई, क्रेन अभियांत्रिकी, स्नेहन अभियांत्रिकी, बेयरिंग अभियांत्रिकी, हाइड्रोलिक्स एवं न्यूमेटिक तथा कंडिशन बेस मानिटरिंग सिस्टम विभाग के कार्मिकों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने विभिन्न अनुभागों के मुख्य कार्यों में निहित खतरों से अवगत कराया और उपायों पर चर्चा की। विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत, सहायक महाप्रबंधक संजेश कुमार द्वारा सुरक्षा वीडियो, अग्निशमन विभाग द्वारा फायर इस्टिंग्विशर डेमो,

ओएचएस फर्स्ट एड, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नीयर मिस पर चर्चा, टीबीटी एवं सुरक्षा गवर्नेस तथा इएमडी विभाग द्वारा गैस सुरक्षा लेक्चर का आयोजन किया गया। सुरक्षा स्लोगन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी लोगों ने हिस्सा लिया।सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह में यांत्रिकी सेवाएं विभाग के कामिकों एवं श्रमिकों ने सुरक्षा गीतों एवं कविता पाठ में भाग लिया। इस अवसर पर कनिष्ठ अधिकारी एम. विजय कुमार द्वारा रचित मुन्ना भाई एमबीबीएस के थीम पर सुरक्षा सम्बन्धी नाटक का मंचन किया गया। विभागीय सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार चौबे व महाप्रबंधक जे. तुसलीदासन ने संबोधित किया । सुरक्षा सप्ताह के आयोजन में महाप्रबंधक प्रभारी आशीष घोष एवं महाप्रबंधक एमएस भोगल का कनिष्ठ अधिकारी यतीन्द्र पुरंग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस्पात मंत्री को सेफी ने लिखा पत्र

पंद्रह हजार सेल कर्मचारियों का लंबित है करोड़ों का एरियर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

सेफी ने इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी को पत्र लिखकर सेल अधिकारियों के विगत 2 पे-रिविजनों में लंबित एरियर्स का भुगतान के लिए दिशानिर्देश की मांग रखी। अधिकारियों के द्वितीय पे-रिविजन 1 जनवरी 2007 से लागू किया गया। 2007 के सेल के पे-रिविजन के आदेश की अवहेलना करते हुए सेल अधिकारियों को सेल पेंशन 14 वर्ष विलंब से बिना किसी ब्याज के दिया गया तथा 11 महीने के पर्क्स का एरियर्स का भुगतान अभी तक लंबित है।

2017 के तीसरे पे-रिविजन के दौरान अधिकारियों को 39 महीने का एरियर्स, वित्त वर्ष 2018-19 का इंक्रीमेंटल पीआरपी तथा जनवरी 2017 से फरवरी 2018 के मध्य सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को बढ़ी हुई ग्रेज्यूटी की हानि हुई। द्वितीय पे-रिविजन में सन योजना लागू की जानी थी, उस दौरान सेल लगातार लाभ में चल रही थी तथा कंपनी आर्थिक रूप से अत्यंत सक्षम थी लेकिन सेल पेंशन योजना की राशि सितम्बर 2021 में 14 वर्षों की देरी से अधिकारियों के एनपीएस खाते में बिना ब्याज के हस्तानांतरित की गयी। विलंब के कारण पेंशन का कॉपर्स अन्य महारत्न कंपनियों के समकक्ष अधिकारियों की तुलना में आधे से भी कम है। औसतन अधिकारियों को सेल पेंशन के मद में 5 से 30 लाख रूपये तक की हानि हुई।

जल्द हो राशि का भुगतान

वे अधिकारी जो जनवरी 2017 से फरवरी 2018 के मध्य सेवानिवृत्त हुए उन्हें ग्रेज्यूटी के मद में लगभग 10 लाख रूपये की हानि हुई है। सेफी चेयरमेन बंछोरने मांग की कि डीपीई दिशानिर्देशानुसार ग्रेज्यूटी का भुगतान 20 लाख रूपये जनवरी 2017 से किया जाना चाहिए। 2018-19 के पीआरपी का भुगतान की गणना में इंक्रिमेंटल लाभ को डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुरूप समायोजित किया जाए। इंक्रिमेंटल लाभ 4097 करोड़ रूपये पर आधारित पी.आर.पी. की गणना करने की मांग की है। 15 हजार अधिकारियों को एरियर्स भुगतान जल्द किया जाए।

कैट ने दिया था सेफी के पक्ष में आदेश

सेफी चेयरमेन नरेन्द्र कुमार बंछोर ने बताया कि सबसे पहले सेफी ने सेल में 26-11-2008 से 04-10-2009 के 11 माह के पर्क्स की राशि के भुगतान के लिए कैट के समक्ष केस दायर किया था। इसमें कैट ने 2014 15.02.2016 द्वारा सेफी के पक्ष में आदेश दिया था। इसे सेल प्रबंधन ने कैट के आदेश को उच्च न्यायालय कोलकाता में चुनौती दी थी। 13 सितंबर, 2023 को सेल की रिट याचिका को कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने खारिज कर दिया। सेल प्रबंधन को अप्रैल 2008 में बोर्ड मीटिंग में प्रस्ताव पारित कर मंत्रालय को प्रेषित करना था।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, गुरुवार 25 जुलाई 2024
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at - 9755819129

04

इंद्रधनुषी छटा रैम्प पर

लाइव इवेंट

मानक के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की विद्यार्थियों को दी जानकारी

भिलाई। विद्यार्थियों में भारतीय मानक के प्रति चेतना जागृत करने की दिशा में अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन भारतीय मानक ब्यूरो एवं शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला केम्प 1 के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में 139 बच्चों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दी। कार्यशाला में मानक का अर्थ, उत्पाद, सेवा एवं प्रबंधन में मानक लागू होता है, भारत में लागू किए जाने और मानक की अवहेलना करने पर संबंधित को दंड के प्रावधान जैसे तमाम मुद्दों पर चर्चा कर बच्चों को जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को मानक के वैज्ञानिक दृष्टिकोण बताते हुए उसे पाठयक्रम में चलित विषयवस्तु से संबंध भी बताया गया।

मानक विषय पर बच्चों की जानकारी बढ़ाने निंबध प्रतियोगिता हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर में आयोजित की गई थी। जिसमें 49 बच्चों ने सक्रिय रुप से भाग लिया।

प्रतियोगिता में हाई स्कूल में प्रथम लक्ष्मी अहिरवार, द्वितीय संचिता पुलांगर, तृतीय योगिता गुप्ता, सांत्वना पुरस्कार कनिका साहू, हायर सेकेंडरी में प्रथम स्थान अंशु सिंह, द्वितीय अंजली, तृतीय शोभा सोनी, सांत्वना पुरस्कार अनिशा साव को दिया गया। शाला की प्राचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुए कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो की मेंटर एवं व्याख्याता रत्ना साहू द्वारा संयोजन एवं क्रियान्वयन किया गया। सहयोगी व्याख्याता अर्पणा बाघ एवं ममता साहू व प्रीति पांडेय उपस्थित रही।

दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला का समापन आज

भिलाई। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला के समापन समारोह का आयोजन गुरुवार की शाम 5 बजे रखा गया है। कार्यखरम के संयोजक रिखी क्षत्रिय ने बताया कि संग्रहालय परिसर कुहुकी कला ग्राम मरोदा सेक्टर भिलाई में आयोजित इस समारोह में कार्यशाला के दौरान शामिल हुए प्रशिक्षक शिल्पकारों का सम्मान किया जाएगा।

एक्सपर्ट बोले-प्रदेश में इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में आएगा बूम, जॉब इंडस्ट्री का ट्रेंड बदला

प्लेन सीएस और आईटी में बीटेक के बाद साइबर सिक्योरिटी की डिमांड अधिक, माइनिंग इंजीनियरिंग से लाखों के पैकेज

भिलाई। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) से प्री इंजीनियरिंग टेस्ट यानी पीईटी के नतीजे जारी होने के बाद अगस्त में काउंसलिंग का आगाज होगा। इस साल तकनीकी कॉलेजों में प्रवेश ग्राफ बेहतर रहने की उम्मीद है। एक्सपर्ट कह रहे हैं कि कंप्यूटर साइंस का क्रेज बूम पर है, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बाद सबसे ज्यादा रुझान साइबर सिक्योरिटी की तरफ है। जब इंडस्ट्रीज में भी इस कोर्स के एक्सपर्ट की खूब डिमांड है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में अब रोजगार की संभावनाएं बढ़ गई है। बीते दो साल के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सबसे ज्यादा कंप्यूटर साइंस से जुड़े ब्रांच और फिर माइनिंग में बीटेक पसंदीदा ब्रांच बना हुआ है। इसके साथ ही बीटेक एग्रीकल्चर भी इंजीनियरिंग का हॉट क्रेक ब्रांच है।

इस साल होगा बेहतर प्रवेश

बीते साल इंजीनियरिंग की काउंसलिंग के बाद बीटेक ब्रांचेस में 48.80 फीसदी एडमिशन हुए थे। यह आंकड़ा इस साल और बढ़ेगा। इसके लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों ने खुद को अपग्रेड किया है। बेहतर फैकल्टी और प्रयोगशालाओं के साथ स्टूडेंट्स को अच्छा प्लेसमेंट देने की कोशिश होगी।

नियम में हुए तीन बड़े बदलाव

शून्य पर भी प्रवेश - काउंसलिंग के नए नियम से पीईटी की परीक्षा में शून्य अंक वाले छात्रों को भी इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन मिल सकेगा। पहले 10 फीसदी अंक जरूरी थे।

डीवीसी सेंटर बंद

इस साल आपको सिर्फ काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन करना होगा। दस्तावेज सत्यापन केंद्र जाने जरूरत नहीं होगी, क्योंकि इस साल से डीवीसी बंद किया गया है।

आयु का बंधन नहीं

इंजीनियरिंग सहित तमाम संकायों में प्रवेश के लिए पहले एक निश्चित आयु सीमा का बंधन होता था, जिसे अब हटा दिया गया है। यानी अब आपकी आयु 19 वर्ष है या 79 आप एडमिशन ले सकेंगे।

लॉन्च हो रहे नए कोर्स

इंजीनियरिंग के ऐसे ब्रांच जिनमें दाखिले के लिए बाहरी राज्यों के कॉलेजों का रुख करना होता था, वह ब्रांच अब छत्तीसगढ़ के इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी शुरू कर दी गई है। सीएस की नई-नई ब्रांच लगातार शुरू हो रही है। इसी तरह सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसी ब्रांच का चार्म अभी बरकरार है।

माइनिंग में लड़कियां आगे

प्रदेश में माइनिंग इंजीनियरिंग के लिए लड़कियों को भी पात्रता दे दी गई हैं। अब छात्राएं भी माइनिंग एक्सपर्ट बनकर खदानों की महारत हासिल करेंगी। पहले तक माइनिंग इंजीनियरिंग में सिर्फ लड़कों को एडमिशन दिया जाता था, जिसको सरकार ने बदलते हुए इसमें लड़कियों को भी बराबर का हकदार माना और उनके लिए एडमिशन की राहें खोली। प्रदेश में माइनिंग इंजीनियरिंग बिलासपुर जीईसी, जगदलपुर जीईसी और भिलाई के रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज में संचालित हैं, जिसको हर साल शानदार रिस्पांस मिल रहा है।

इस तरह हैं सीटें

इंजीनियरिंग - 11949
पॉलीटेक्निक - 8224, एमसीए - 482
एमबीए - 1320
फार्मेसी - 6238

"सीएस, आईटी के बाद सबसे ज्यादा रुझान बीटेक इन साइबर सिक्योरिटी को लेकर दिखाई दे रहा है। पिछले 1 साल में ही देश की नामी कंपनियों ने साइबर सिक्योरिटी के एक्सपर्ट को हायर किया है। इस ब्रांच के विद्यार्थियों को अच्छे प्लेसमेंट भी ऑफर किया जा रहे हैं।

- **डॉ संजीव शुक्ला,** डायरेक्टर, रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज

सिटी इवेंट

गुरु शिष्य परंपरा व संस्कृति सहेजने दिया संदेश, निकाली गई रैली

भिलाई। मानिकपुरी पनिका समाज भिलाई द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर निगम रिसाली महापौर शशि सिन्हा उपस्थित थीं। गुरु वंदना के बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। नशा जैसे दुर्व्यसन के खिलाफ नशामुक्ति अभियान के तहत जन-जागरण रैली कबीर मंदिर रुआबांधा से निकाली गई। रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से नशामुक्ति का संदेश देते हुए वापस कबीर मंदिर पहुंची।

नशामुक्ति को लेकर चलाएं अभियान

रैली में कल्याणी नशामुक्ति केन्द्र सुपेला भिलाई के संचालक एवं उनके सहयोगी सत्यनिज संस्थान के संस्थापक गुरु सत्य दास साहेब एवं उनके अनुयायी, मानिकपुरी पनिका समाज भिलाई के समाजिक जन काफी संख्या में शामिल हुए। नशामुक्ति केंद्र के संचालक ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा मानव जीवन के लिए विनाशकारी है। समय-समय पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से अभियान चलाकर नशामुक्ति का संदेश देना चाहिए। सत्यनिजनाम संस्थान के जीवन दास ने कहा कि नशामुक्ति के लिए संस्था निरंतर प्रयास कर रही है। महापौर ने कही कि नशा समाज के लिए घातक है आज के युवा देश के भविष्य हैं, इन्हें नशे से दूर करने अभियान के माध्यम से जागरुक करना जरुरी है ताकि नए युवक नशे से दूर रह सके।

किया गया सम्मान

महंतों ने गुरु एवं शिष्य की परंपरा व संस्कृति पर अपने विचार रखे। चौका आरती के माध्यम से महंत मंथीर दास डोंगरगढ़, महंत कमल दास दुर्ग, महंत मनीदास भिलाई, महंत बचनदास भिलाई का सम्मान किया गया। आयोजन के अंत में चौका आरती के बाद प्रसाद वितरण कर समापन किया गया।

रोजगारोन्मुखी और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करेगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कार्यशाला में दी जानकारी

भिलाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भारती विश्वविद्यालय दुर्ग में किया गया। कार्यशाला में रसायन शास्त्र विभाग प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार सिंह, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान कर सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को पहली बार मल्टीपल इंट्री और एग्जिट का विकल्प रखा गया है। सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों को छठे सेमेस्टर में इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। पूरक परीक्षा और पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने वेल्यू एडिड कोर्स, स्किल इनहेंसमेंट कोर्स, जेनेरिक इलेक्टिव और कोर कार्स के क्रेडिट प्रणाली को भी विस्तार से बताया। पुरानी शिक्षा नीति और नई शिक्षा नीति की तुलना करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख है। उन्होंने प्राध्यापकों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

कार्यशाला के आरंभ में डॉ. आलोक भट्ट, डीन अकादमिक ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.एन.सिंह, डायरेक्टर अकादमिक एवं प्रशासन ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शोभा सिंह ठाकुर डीन विधि अध्ययनशाला ने किया।

इस अवसर पर डॉ. स्वाति पाण्डेय, डॉ. चांदनी अफसाना, डॉ. हुल्लास चैहान, डॉ. एस.के. ताम्रकार, प्रो. ललित, श्वेता सिंह, प्रियंका साहू, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागों के विभागाध्यक्ष और बड़ी संख्या में प्राध्यापक उपस्थित थे।

शांतनु का थ्री-डी ग्राफिक वर्क इंडियन बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज

भिलाई। प्रसिद्ध चित्रकार एवं चित्रशाला के संस्थापक शांतनु दास के त्रिआयामी चित्रों पर किए गए प्रयोगों को प्रतिष्ठित इंडियन बुक ऑफ रिकार्ड्स में प्रविष्टि दी गई है। शांतनु 3डी ग्राफिक्स की एकल प्रदर्शनियों का आयोजन भी करते हैं। कला की इस विधा को उन्होंने सितम्बर 2019 में लोगों के सामने रखा था जिसे काफी पसंद किया गया। नीले और लाल रंग के कांच वाले चश्मे से देखने पर ये ग्राफिक्स जीवंत हो उठते हैं।

शांतनु दास मूलतः ओडीशा के सम्बलपुर के निवासी है। उन्होंने वहां चित्रशाला की स्थापना की तथा लोगों को चित्रकारी सिखाने लगे। भिलाई निवासी शांतनु सम्प्रति वे मारुति स्पर्श ऑटोमोबाइल रायपुर में वरिष्ठ मानव संसाधन प्रबंधक के रूप में काम करते हैं।

उन्होंने बताया कि 3D प्रदर्शनी में कलाप्रेमी अलग-अलग स्टाइल में लाल और नीला चश्मा पहनते हैं और प्रदर्शनी का आनंद लेते हैं। इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से शांतनु दास को सर्टिफिकेट मेडल, बैज, पहचान पत्र, ऑटोग्राफ पेन देकर सम्मानित किया गया है।

शांतनु इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता स्व भाबाग्रही दास, माता कामिनी दास को देते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर मानिकपुरी पनिका समाज भिलाई द्वारा हुए विविध आयोजन

कार्नर न्यूज

कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच मानव आश्रम सेक्टर 1 में पं चंद्रशेखर आजाद, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की जंयती गरिमा पूर्वक मनायी गई। कार्यक्रम में उपस्थित रानी तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष संतोष दीक्षित, महासचिव रविन्द्र मिश्रा द्वारा सनातन परंपरानुसार पं चंद्रशेखर आजाद के तैलचित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर सेमीनेट पब्लिक स्कूल के नन्हे छात्र-छात्राओं ने पंडित चंद्रशेखर आजाद की जंयती पर अपने सारगर्भित विचार रखे। साथ ही साथ ओजस्वपूर्ण कविताओं के पाठ से सभागार को गुंजायमान कर दिया।

आजादी के शूरवीर चंद्रशेखर व तिलक की मनाई जयंती, बच्चों ने पढ़ी वीरगाथा

भिलाई। पं श्रवण शुक्ल ने संदर्भित विषय में क्वीज प्रतियोगिता कराई गई। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित रानी तिवारी, पं संतोष दीक्षित, पं रविन्द्र मिश्र ने अपने विचार प्रकट करते हुए स्वतंत्रता पूर्व हम कहां थे और वर्तमान में हम कहां और कैसे जा रहे हैं पर चर्चा की गई। साथ ही भविष्य में हमें स्वस्थ, स्वच्छ, शक्ति संपन्न राम राज्य के निर्माण में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम सेनानी पंडित मंगल पाण्डेय को भी नमन किया गया।

कार्यक्रम में सोमा बोस, अनुपमा मिश्रा, नीलिमा शुक्ला, वंदना शुक्ला, रमा अग्निहोत्री, वंदना पाण्डेय, ममता अवस्थी, ज्योति तिवारी, पं आलोक शुक्ला, मनोज तिवारी, राजेश मिश्रा, राकेश शुक्ला, बीके द्विवेदी, राकेश शुक्ला, रविन्द्र मिश्र सहित अनेक सामाजिक जन उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

छत्तीसगढ़ की समन्वयवादी संस्कृति के प्रतीक थे वली मुहम्मद : परदेशी

भिलाई। साहित्य व संस्कृति को समर्पित संस्थान अगासदिया की ओर से गौसेवक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. वली मुहम्मद की 68वीं पुण्यतिथि पर एक वैचारिक आयोजन बुधवार को आमदी नगर हुडको स्थित परिसर में हुआ। इस दौरान स्व. वली मुहम्मद के व्यक्तित्व पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए वहीं उनके व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित दूरदर्शन से प्रसारित हो चुके सीरियल भूमिपुत्र पर भी सार्थक चर्चा हुई। शुरुआत में अतिथियों ने अगासदिया के प्रेरणा स्त्रोत स्व. संत पवन दीवान और गौसेवक स्वतंत्रता सेनानी स्व. वली मुहम्मद का स्मरण किया। अपनी बात रखते हुए अगासदिया के संयोजक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने बताया कि स्व. वली मुहम्मद अमीन पटवारी के प्रतिष्ठित पद पर थे और अंग्रेजी राज में सुखमय जीवन बिता सकते थे। लेकिन उन्होंने संघर्ष का रास्ता चुना, तीन बार दीर्घ अवधि के लिए जेल गए और यातनाएं सही। डॉ. वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न समाज के बीच समन्वय स्थापित करने में स्व. वली मुहम्मद का विशेष योगदान रहा क्योंकि जब युवावस्था में वो टाटा नगर नौकरी के लिए गए तो पहली बार उन्होंने वहां 'गौकशी' देखी और इससे व्यथित होकर एक कविता गइया रोवत-रोवत करे पुकार, मोर प्राण बचा लो हरि की रचना की और छत्तीसगढ़ लौट गए। यहां वह आजीवन गौ सेवा में जुटे रहे। उनकी इसी कविता को प्रख्यात पंथी नर्तक देवदास बंजारे ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर गा कर अमर कर दिया।

85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का राष्ट्रीय स्तर पर होगा अग्र अलंकरण समारोह

प्री वेडिंग व खर्चीली शादियों से बचने किया आह्वान, अमूल्य धरोहर बुजुर्ग होंगे सम्मानित

दुर्ग। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में खर्चीली शादियों और प्री वेडिंग जैसे प्रक्रिया को सामाजिक बुराई की संज्ञा देते हुए इसे समाज ने बंद करने का एलान किया है। इस पहल से अग्रवाल समाज ने दूसरे सामाज को प्रेरणा देने मिशाल कायम की है। राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए इस निर्णय को हर जिला और कस्बों में पहुंचाने का एकस्वर से आव्हान किया गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील गुप्ता सांसद राज्यसभा दिल्ली एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष नेतराम अग्रवाल एवं प्रदेश महासचिव मनोज अग्रवाल ने बताया कि मीटिंग में समाज हित में बहुत से निर्णय लिए गए। शादी समारोह पर प्रचलन में आया प्री वेडिंग पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने का आवाहन किया गया। शादी समारोह के अवसर पर होने वाले अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाने व खर्चीली शादी पर अनावश्यक खर्च की जगह उसे धन को समाज हित में लगाने की बातों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर काश्मीर फाइल्स मूवी के निर्माता अभिषेक अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे, उन्हें संगठन द्वारा मोमेंटो व शॉल पहना कर सम्मानित किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गोवा सहित लगभग सभी राज्यों के अग्रवाल समाज के प्रमुखों ने शिरकत की थी। रायपुर से सियाराम अग्रवाल राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अशोक अग्रवाल चेयरमेन, अनिता अग्रवाल, कोरबा से अशोक मोदी, बिलासपुर से सुरेश मंगल अंबिकापुर से सुभाष गोयल ने बैठक में शिरकत की।

पढ़ाई कराने समाजिक बंधु करेंगे सहयोग

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के संरक्षक महेंद्र सक्सेरिया एवं जयदेव सिंघल ने बताया कि, बुजुर्ग हमारे अमूल्य धरोहर है इसके तहत बैठक में 85 वर्ष से अधिक बुजुर्गों का 10 अगस्त को दिल्ली में सम्मान किया जाएगा। जो छात्र प्रतिभावान है, किंतु धन के अभाव में शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी प्रतिभाओं का सहयोग करने का महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया।

पुरस्कृत होंगे छात्र और गौसेवक

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के युवा अध्यक्ष आशीष सक्सेरिया एवं पंकज कीर्तुका ने बताया कि, अग्र अलंकरण समारोह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह नवंबर में दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। समाज सेवा, उद्योग के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र, गौ सेवा सहित अन्य क्षेत्रों की विशेष प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। अग्र अलंकरण समारोह में 51 पुरस्कार दिए जाएंगे। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के चल रहे सेवाभावी कार्यों की बैठक में अतिथियों का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस दौरान खर्चीली शादियों पर रोक लगाने संकल्प लिया गया।

सिटी लाइव

स्व रोजगार से जुड़कर महिलाएं बनी मजबूत, कार्यों का विस्तार करने की मांग

भिलाई। समाज सेवी संगठन लोकार्पण समिति छत्तीसगढ़ द्वारा महिला समूह को शासन की योजना से जोड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के साथ उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के कार्य के रहा है। महिलाएं समूह से जुड़कर आचार, पापड़, फिनाइल जैसे अन्य घरेलू उपयोगी सामान बनाकर बेचने का कार्य कई सालों से कर रही है। अपने इस कार्य को आगे बढ़ाने लोकार्पण समिति के प्रदेश अध्यक्ष इस्माईल खान के नेतृत्व में समिति द्वारा प्रेरित समूह उन्नति महिला स्व सहायता समूह स्टेशन मरोदा की 5 महिला समूह की महिलाएं सांसद विजय बघेल से उनके निवास स्थान में भेटकर महिला सामुदायिक भवन निर्माण करवाने पत्र दिया। स्टेशन मरोदा बीआरपी, एचएससीएल कॉलोनी में लगभग 25 से अधिक महिला समूह का शासन स्तर पर गठन किया गया है, लेकिन क्षेत्र में एक भी महिला सामुदायिक भवन नहीं होने से महिलाओं को बैठक करने प्रशिक्षण करने के साथ अन्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में परेशानी आ रही है। उनका कहना है कि यह कार्य करने के लिए यदि कोई एक स्थाई भवन या स्थान मिल जाएगा तो समूह का कार्य आसानी से तीव्रता के साथ आगे बढ़ेगा और हम अधिक मजबूत बन पाएंगे। इस दौरान उन्नति महिला स्व सहायता समूह, नया सबेरा महिला समूह, जागरूकता महिला समूह, नारी शक्ति महिला समूह, मां दुर्गा महिला समूह से बसंती साहू, ननकी विभाग, धर्मशिला देवी, अंजली देवांगन, शाहिदा खातून, रेवती पटेल, मीना पांडे, अर्चना नेताम सहित अन्य महिलाएं को सांसद ने इस क्षेत्र में अन्य कार्य करने भी जानकारी देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।

विज्ञान ज्योति साइंस कैंप

साइंस क्विज में छात्राओं ने दिए जवाब योगिता और भगवती बनी विजेता

भिलाई। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई की बारहवीं कक्षा की विज्ञान छात्राओं की प्रतिभा को तराशने के लिए तीन दिवसीय विज्ञान ज्योति साइंस कैंप लगाया गया। बोरई के साथ-साथ स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल नगपुरा, हायर सेकेंडरी स्कूल टेमरी और बोरई की छात्राएं भी शामिल हुईं। रूंगटा आर-1 के कैंपस में आयोजित सांइस कैंप में छात्राओं को कॅरियर गाइडेंस के साथ-साथ ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। उन्हें इंजीनियरिंग, फार्मेसी एवं साइंस के रिसर्च लैब्स आदि में हैंड्स ऑन प्रैक्टिकल करने का अवसर मिला। शिक्षाविद डॉ. जवाहर शूरीशेट्टी ने विकसित भारत के संदर्भ में युवा छात्राओं की भूमिका को प्रकाशित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।ग्रुप डायरेक्टर डॉ. संजीव शुक्ला के संयोजन में विभिन्न परिचर्चाओं में डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ एजाजुद्दीन, प्राचार्य डॉ.राकेश हिमते, डॉ नीमा बालन, डॉ मुकेश शर्मा, डॉ विजयलक्ष्मी घोष ने मार्गदर्शन दिया। कैंप के अंतिम दिन इंटरनेशनल मून डे के अवसर पर आयोजित साइंस क्विज के आयोजन में डॉ अल्बर्ट जॉन वर्गिस एवं डॉ रेजो राय की भूमिका उल्लेखनीय रही। एलिमिनेशन राउंड के माध्यम से अंतिम चक्र के लिए चुने गए 8 प्रतिभागी छात्राओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने मिला।

जनरल अवेयरनेस एवं करंट अफेयर के दिए उत्तर: जनरल अवेयरनेस एवं करंट अफेयर की जानकारी में अच्छे अंक स्कोर करते हुए छात्राओं ने अपनी क्षमता का परिचय दिया। पांच चक्रों के कड़े मुकाबले में टीम गैलेलिओ की योगिता साहू और भगवती पटेल विजेता रहीं। द्वितीय स्थान पर टीम आइंस्टाइन की सलोनी नंदनवार और अलीशा पंडित रहे। सहायक प्राध्यापक टुमन पटेल ने थ्रीडी रंगोली प्रशिक्षण दिया।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश: छात्राओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की जागरूकता के लिए रंगोली से वृक्ष बनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कैंप के आयोजन में संस्था की एनएसएस इकाई, रूंगटा इनीशिएटिव फॉर सोशल एंपावरमेंट क्लब एवं आईईसी क्लब का सहयोग रहा। कैंप में नगपुरा, टेमरी और बोरई की छात्राएं भी शामिल हुईं। इन विद्यालयों की ओर से तन्द्रा धर एवं प्रीती जैन ने प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं साइंस क्विज के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के डीन ईसीएस व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्यधर्म भारती, एनएसएस स्वयंसेवक सृष्टि, श्यामली, सुरुचि सिंह,प्रियांशु, विक्की कुमार, वरुण राणा, शाश्वत, आदित्य का योगदान रहा।

जागरुकता

संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता पर साझा किए अपने विचार

भिलाई। वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। इस ज्वलंत मुद्दे पर विशेष व्याख्यान शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग की समाजशास्त्र विभाग की वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. सपना शर्मा सारस्वत द्वारा दिया गया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने वर्तमान विकट सामाजिक परिदृश्य में बच्चों के लालन-पालन एवं समाजीकरण, आर्थिक संबल, भावनात्मक एवं शारीरिक सुरक्षा तथा विपत्तियों का मजबूती से सामना करने के लिए संयुक्त परिवार की आवश्यकता को स्पष्ट किया। डॉ. शर्मा ने अपनी व्याख्यान में वर्तमान सामाजिक समस्याओं जिसमें विश्व में भारत में आत्महत्या की दर में सर्वोच्च पायदान पर होना, सर्वाधिक युवाओं का आत्महत्या करना, तलाक की अतिशय से बढ़ती दरें, वृद्धों के खिलाफ होने वाले अपराध, कलह पूर्ण दांपत्य जीवन, बच्चों और किशोरों का यौन शोषण आदि समस्याओं का समाधान संयुक्त परिवार प्रणाली की संरचना को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में अपनाना बताया। वेबीनार में विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ आलोक भट्ट ने अपने उद्बोधन में इस प्रासंगिक विषय पर

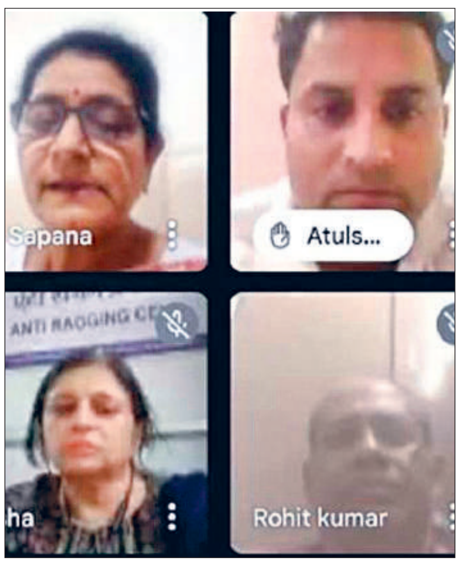

वेबीनार का आयोजन किया जाना समस्त विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के लिए महत्वपूर्ण बताया। वेबीनार के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कला संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह द्वारा किया गया। वेबीनार का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्नेह कुमार मेश्राम ने किया।

सिटी इवेंट

मासिक परीक्षा की दी जानकारी व अपलोड करने किया प्रशिक्षित

भिलाई। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सम्बन्ध में दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत संकुल प्राचार्यों और संकुल समन्वयकों की संयुक्त बैठक विवेकानंद सभागार साक्षरता भवन दुर्ग में आयोजित की गई। इस दौरान कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की होने वाली उत्कृष्ट दुर्ग मासिक परीक्षा की जानकारी दी गई तथा परीक्षा परिणाम को विनोबा एप में अपलोड करने सम्बंधित प्रशिक्षण विनोबा एप प्रभारी प्राची तुलसरे द्वारा दिया गया। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की जिला नोडल पुष्पा पुरुषोत्तम द्वारा उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत ऑफलाइन सर्वे तथा ऑनलाइन एंट्री प्रगति की संकुलवार समीक्षा की गयी तथा दुर्ग विकासखंड की वर्तमान स्थिति में दो दिवसों की समय सीमा में अपेक्षित सुधार कर कार्य में प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग अरविन्द मिश्रा ने भी उपस्थित होकर उत्कृष्ट दुर्ग परीक्षा तथा उल्लास के सम्बन्ध में आवश्यक चर्चा उपस्थित प्राचार्यों और संकुल समन्वयकों से की।बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोविन्द साव तथा सहायक विकासखंड अधिकारी एवं नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की विकासखंड नोडल राजेश्वरी चंद्राकर भी शामिल हुई। समग्र शिक्षा की ओर से जिला प्रोग्रामर भूमिका साहू ने उल्लास एप में एंट्री के बारे में बताया। बैठक में हरीश देवांगन, सुमन प्रधान, अनुपम अग्रवाल, बृजकिशोर शर्मा, देवकीनन्दन शर्मा सहित सभी 75 संकुलों के संकुल प्राचार्य और संकुल समन्वयक उपस्थित रहे।

कल्याण महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर मिला दीर्घकाल सेवा सम्मान

कार्नर न्यूज

निजी महाविद्यालयों के समक्ष नई चुनौतियां, प्राध्यापकों को करनी होगी अब अतिरिक्त मेहनतः कुलपति

भिलाई। कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महाविद्यालय का 63वां स्थापना दिवस समारोह पर प्रबंधन समिति द्वारा वरिष्ठ शिक्षकों और कर्मचारियों को दीर्घकाल सेवा सम्मान हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अरूणा पल्टा द्वारा दिया गया। प्रारंभ में राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिमेखला शुक्ला ने सरस्वती वंदना और छत्तीसगढ़ राज्य गीत का गायन किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरूणा ने कहा कि आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुदानित और निजी महाविद्यालयों के समक्ष नई चुनौतियां हैं जिसका सामना करने के लिए प्राध्यापक और कर्मचारियों को अतिरिक्त मेहनत करनी होगी। नये पाठ्यक्रम और नवीन शिक्षा प्रणाली के तहत सुविधाओं का विस्तार करना होगा। छत्तीसगढ़ कल्याण समिति के अध्यक्ष आरके यादव ने कहा कि यह महाविद्यालय शून्य से प्रारंभ हुआ है। 63 साल पहले जिले में केवल दो ही महाविद्यालय थे और हजारों विद्यार्थियों का भविष्य कल्याण महाविद्यालय ने संवारा है। इनमें अनेक राजनीतिज्ञ, आईएएस, व्यापारी और वकील शामिल हैं।

महाविद्यालय में सभी सुविधाएं

समारोह में प्राचार्य डॉ आर पी अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस महाविद्यालय ने सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों का ध्यान रखा है। आज महाविद्यालय समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण है। पूर्व प्राध्यापक और कर्मचारियों ने इसे संवारा है। सभा को सचिव जे एल सोनी ने भी संबोधित किया।

दीर्घकाल सेवा सम्मान किया प्रदान

इस अवसर पर समिति द्वारा प्राचार्य डॉ आरपी अग्रवाल, उप प्राचार्य डॉ पीएस शर्मा, वरिष्ठ कर्मचारी चिम्मनलाल सोन्ड्रे, दिनेश बघेल, अनिल तिवारी, नागेश आडिल, खेमलाल वर्मा, निर्मला बाई, विजय चतुर्वेदी को दीर्घकाल सेवा सम्मान प्रदान किया गया। समारोह का संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ सुधीर शर्मा और आभार व्यक्त उप प्राचार्य डॉ पीएस शर्मा तथा समिति के कोषाध्यक्ष के एन अग्रवाल ने किया। समारोह में शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल थे।

योगासन

योग से फायदा हो रहा है या नहीं, पता करें

योगा के फायदे किसी से छिपे नहीं है। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जिसे सदियों पहले से ऋषि-मुनि अपनाते आ रहे हैं। वर्तमान में, पूरी दुनिया ने योग के महत्व को समझा और उसे स्वीकारा है। आज सिर्फ देशभर में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लोग योगाभ्यास के जरिए खुद को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं। योग सिर्फ वजन कम करने का साधन मात्र नहीं है। योगाभ्यास के दौरान कई तरह के आसनों व क्रियाओं को किया जाता है, जिससे व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से लाभ मिलता है।

यहां तक कि नियमित योग आपको शरीर के दर्द से लेकर बॉडी पोश्चर व कई स्वास्थ्य समस्याओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। शायद यही कारण है कि आज के समय में बच्चों से लेकर बूढ़े तक, हर कोई अपनी फिटनेस रूटीन में योग को शामिल करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपको सच में योग से फायदा मिल रहा है या नहीं, इस बात का पता लगाना भी बेहद जरूरी है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो यह बताते हैं कि आपको योग से लाभ मिल रहा

है या नहीं-

बॉडी फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ना

जब आप नियमित रूप से सही तरह से योगाभ्यास करते हैं तो इससे आपकी बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है। आप अपने ज्वॉइंट्स और मसल्स में रेंज ऑफ मोशन को बढ़ते हुए देखते हैं। हो सकता है कि अब आपके लिए आपको अपने पैर की उंगलियों को छूना, पीछे की ओर झुकना या ऐसे आसन करना आसान लगने लगे, जो पहले मुश्किल लगते थे।

बॉडी पोश्चर इंप्रूव होना

जब आप नियमित रूप से योगाभ्यास करते हैं तो इससे आपका बॉडी पोश्चर भी इंप्रूव होता है। अब आपको अपने पोश्चर को लेकर सचेत होने की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन फिर भी आप अधिक सीधे खड़े होते हैं या बैठते हैं। आपकी स्पाइन का एलाइनमेंट इंप्रूव होता है और आपका झुकना कम हो जाता है। इतना ही नहीं, इससे खराब बॉडी पोश्चर के कारण होने वाले गर्दन दर्द व कमर दर्द की शिकायत भी दूर होती है।

अधिक एनर्जेटिक फील करना

जब आप योगाभ्यास शुरू करते हैं तो कुछ ही दिनों में आपको खुद में बदलाव महसूस होने लगता है। जब योगाभ्यास से सेहत को फायदा होता है तो कुछ सकारात्मक बदलाव नजर आने लगते हैं। मसलन, इससे शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ जाता है और पूरा दिन अधिक एक्टिव रहते हैं। आपको जल्द थकान या कमजोरी का अहसास नहीं होता है।

बेहतर पाचन तंत्र

जब आप योगाभ्यास शुरू करते हैं तो इसका सकारात्मक असर आपके पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। ऐसे कई योगासन होते हैं, जो आपको पाचन अंगों को अच्छी मालिश देते हैं। इससे ब्लड फ्लो और ऑक्सीजन में भी सुधार होता है। ऐसे में व्यक्ति को पाचन से जुड़ी समस्याओं जैसे कब्ज आदि का सामना कम ही करना पड़ता है। अगर आपका बाउल मूवमेंट पहले से बेहतर होने लगा है तो यह संकेत है कि योगाभ्यास से आपको फायदा मिल रहा है।

स्वस्थ्य रहने पर्याप्त नींद लेना जरूरी, लेकिन इसका भी समय तय रखें

बहुत ज्यादा नींद आना हो सकता है किसी गंभीर समस्या का संकेत

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम जितना ही अच्छी नींद भी जरूरी है। मानसिक और शारीरिक दोनों सेहत को ठीक रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना रात में कम से कम 6-9 घंटे की अच्छी नींद जरूर लेने की सलाह देते हैं। अच्छी नींद को बेहतर स्वास्थ्य का संकेत भी माना जाता है। पर कहीं आपको बहुत ज्यादा या अक्सर नींद-सुस्ती जैसी समस्या तो नहीं बनी रहती है? कहीं आपको दिन के समय भी तो अक्सर नींद नहीं आती रहती है? सोकर उठने के बाद फिर से सोने का मन करता है?ज्यादा नींद आने के कई कारण हो सकते हैं। शिफ्टवर्क (नाइट शिफ्ट), रात में पढ़ने या कोई अधिक मेहनत वाला काम करने से आपको इस तरह की दिक्कत कभी-कभी हो सकती है। पर अक्सर बनी रहने वाली ऐसी समस्या को चिंता का विषय माना जा सकता है।

अत्यधिक नींद आते रहने की समस्या

अत्यधिक नींद आने को हाइपरसोमनिया के नाम से जाना जाता है। पर्यावरणीय और दिनचर्या जैसे कारकों के अलावा अवसाद, नींद संबंधी विकार, दवाओं के दुष्प्रभाव, थायरॉयड विकार और कुछ प्रकार की गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी बहुत अधिक नींद आने लगती है। आमतौर पर, सामान्य से ज्यादा घंटे सोने और दिन के समय नींद आते रहने को हाइपरसोमनिया की समस्या माना जाता है। इसमें आपको थकान महसूस हो सकती है, या ऐसा लग सकता है जैसे आपकी आंखें थकी हुई हैं और उन्हें बार-बार बंद करने की जरूरत है। वैसे तो अधिक नींद आने को ज्यादा गंभीर नहीं माना जाता है हालांकि कुछ कारणों पर ध्यान देना जरूरी है जो इसकी वजह हो सकती हैं।

कहीं ये दवाओं का साइड-इफेक्ट तो नहीं?

अत्यधिक नींद आने की समस्या कुछ प्रकार के दवाओं के साइड-इफेक्ट के कारण हो सकती है। विशेषतौर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करा रहे लोगों में ये दिक्कत अधिक देखी जाती रही है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि ब्लड प्रेशर, अवसाद, नाक बंद होने (एंटीहिस्टामाइन), मिर्गी आदि का इलाज करा रहे लोगों को दवाओं के कारण अधिक नींद आने की दिक्कत बनी रह सकती है। अगर आपको लगता है कि प्रिस्क्रिप्शन दवाओं के कारण आपको ज्यादा नींद आ रही है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के कारण भी हो सकती है ये दिक्कत

कुछ प्रकार के न्यूरोलॉजिकल विकार जैसे नार्कोलेप्सी के शिकार लोगों को भी अक्सर या बहुत ज्यादा नींद आते रहने की दिक्कत हो सकती है। नार्कोलेप्सी की स्थिति मस्तिष्क की उस क्षमता को प्रभावित कर देती है जो सोने-जागने के चक्र को नियंत्रित करती है। रात के समय ऐसे रोगियों को अक्सर नींद टूटने (अनिद्रा के समान) की दिक्कत होती है। वहीं दिन में काम के समय अत्यधिक नींद आने का जोखिम बना रहता है। नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोग बातचीत के बीच में या भोजन करते-करते भी सो सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विकार

स्ट्रेस-एंग्जाइटी हो या अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या, इसके शिकार लोगों को भी अक्सर नींद आते रहने की दिक्कत हो सकती है। अवसाद जैसी स्थितियां शरीर की ऊर्जा को कम कर देती हैं, जिससे अक्सर सुस्ती बनी रहती है और आपको नींद आती रह सकती है। अवसाद के रोगी अक्सर रात में ठीक से नहीं सो पाते हैं, तो उन्हें दिन में अत्यधिक नींद आती रहती है। मानसिक स्वास्थ्य विकारों का इलाज करा रहे लोगों को दवाओं के कारण भी बहुत ज्यादा नींद आती रहती है।

बढ़ती उम्र में भी हड्डियां बनी रहेंगी मजबूत, अपनाएं ये उपाय

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की कमजोरी और इससे संबंधित विकारों का जोखिम भी बढ़ने लगता है। आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं के कारण चलना-उठना भी मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने इन जोखिमों को और भी बढ़ा दिया है। हड्डियां मजबूत बनी रहें और इनमें कमजोरी-क्षति न होने पाए इसके लिए आवश्यक है कि कम उम्र से ही प्रयास किए जाएं। आहार में कैल्शियम और विटामिन-डी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करना, नियमित व्यायाम जैसे उपाय करके जोखिमों को कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हड्डियों की अच्छी सेहत के लिए पौष्टिकता से भरपूर चीजों का सेवन सबसे आवश्यक है। आइए जानते हैं कि ऐसे क्या उपाय किए जा सकते हैं जिससे 50 की उम्र में भी हड्डियां मजबूत बनी रहें और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा भी कम हो सके?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

लखनऊ में फिजियोथेरिपिस्ट डॉ जोहैब काजी बताते हैं, 30 से कम उम्र के लोग पीठ-कमर दर्द की शिकायत के साथ आ रहे हैं। गठिया-जोड़ों में दर्द की दिक्कत भी बढ़ती देखी जा रही है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी जैसे लंबे समय तक बैठने, व्यायाम न करने जैसी आदतें इसके लिए

जिम्मेदार मानी जाती हैं। इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए कम उम्र से ही प्रयास जरूरी है। तीन बातों का अगर शुरुआत से ही ध्यान रख लिए जाए तो 50 की उम्र में भी हड्डियों की मजबूती बनी रह सकती है।

शारीरिक निष्क्रियता आपके लिए नुकसानदायक

शारीरिक निष्क्रियता जैसे व्यायाम की कमी, ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत न सिर्फ क्रोनिक बीमारियां बढ़ाती हैं साथ ही इससे हड्डियों से संबंधित समस्याओं का खतरा भी अधिक हो सकता है।

हमारे जोड़ों को चिकनाई और स्वस्थ रहने के लिए गतिशीलता की आवश्यकता होती है। लंबे समय तक बैठे रहने से जोड़ों में अकड़न हो सकती है, जिससे दीर्घकालिक रूप में गठिया जैसी समस्याओं का खतरा रहता है। लंबे समय तक बैठे रहने से बचें और नियमित व्यायाम की आदत बनाकर आप हड्डियों की समस्याओं से सुरक्षित रह सकते हैं।

पौष्टिक आहार जरूरी

अगर आपका आहार पौष्टिक है तो हड्डियों से लेकर सभी अंगों के लिए इसे लाभकारी माना जाता है। आपकी हड्डियों के लिए कैल्शियम से बेहतर कुछ नहीं है। इसके लिए डेयरी उत्पादों का सेवन करना चाहिए इसके साथ बहुत सारी सब्जियों में भी ये पाया जाता है।

नवविवाहितों के लिए बेहद खास है पहली हरियाली तीज व्रत, इन बातों का रखें ध्यान

सावन माह में पड़ने वाली तीज का विशेष महत्व है। सावन में हरियाली तीज का पर्व 07 अगस्त को पड़ रहा है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और पूजा-पाठ करती हैं। इस साल पड़ने वाली हरियाली तीज नवविवाहितों के लिए खास मानी जा रही है। अब ऐसे में अगर कोई महिलाएं पहली बार हरियाली तीज का व्रत रख रही हैं, तो किन नियमों का पालन करना जरूरी है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

हरियाली तीज के दिन नवविवाहिता जरूर लगाएं मेहंदी

हरियाली तीज का त्यौहार सुहागिन महिलाओं के लिए खास महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा पहनकर, मेहंदी लगाकर, और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। नवविवाहिताओं के लिए मेहंदी का विशेष महत्व होता है। यह उनके सुहाग और वैवाहिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक है।

हरियाली तीज के दिन जरूर पहनें हरे रंग के वस्त्र

हरियाली तीज का त्यौहार, जो श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है, सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। हरियाली तीज भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। हरा रंग प्रकृति का प्रतीक है। यह जीवन, उर्वरता, और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए हरियाली तीज के दिन नवविवाहित महिलाएं हरे रंग की साड़ी जरूर पहनें।

व्रत में बिना नमक के आहार बनाना मुश्किल नहीं, इन्हें जरूर आजमाएं

साल भर ऐसे कई त्योहार पड़ते हैं, जिनमें लोग व्रत रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि उपवास रखकर पूजा-अर्चना करने से भगवान ही प्रसन्न नहीं होते, बल्कि शरीर भी शुद्ध होता है। इस दौरान खाने-पीने में खास तरह से सावधानी बरती जाती है। ऐसी कई चीजें होती हैं, जिनका परहेज किया जाता है। इसी में एक है नमक... व्रत में सफेद नमक नहीं खाया जाता है,क्योंकि उसे रिफाइन किया जाता है। इसकी जगह खाने में सेंधा नमक डाला जाता है।

शकरकंद चाट

सबसे पहले आलू और शकरकंद को बॉयल कर लें। छीलकर उन्हें काट लें और एक एक मिक्सिंग बाउल में डालें। अब इसमें खीरा, टमाटर और हरी मिर्च डालकर मिक्स करें। ऊपर से भुना हुआ जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं।हरे धनिया से इसे गार्निश करें। यह चाट आपको बहुत पसंद आएगी। नींबू के कारण इसमें नमक की आवश्यकता नहीं होगी। इसे भी पढ़ें: सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाएंगे ये फलाहारी स्नैक्स, सावन के महीने में जरूर बनाएं

कुट्टू का डोसा

एक मिक्सिंग बाउल में कुट्टू का आटा और पानी डालकर मिक्स करें और स्मूथ घोल बनाएं।दूसरी ओर, एक पैन में घी डालकर गर्म करें और उसमें जीरा डालकर चटकने दें।पैन में उबले हुए आलू को छोटा-छोटा काटकर डालें और 2 मिनट भूनें। इसके बाद उसमें हरी मिर्च और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं।इमली का पल्प डालकर मिक्स करें और आंच को बंद करके पैन को एक तरफ रख दें।अब मीडियम आंच पर एक नॉन-स्टिक कड़ाही या डोसा पैन गर्म करें। इसे घी से स्मूथ करें।कड़ाही पर एक करछुल घोल डालें और इसे समान रूप से फैलाकर पतला डोसा बनाएं।जब यह एक किनारे से पक जाए, तब इसे पलटकर दूसरी ओर से भी सुनहरा भूरा होने तक पकाएं।आपका कट्टू का डोसा तैयार है। इसमें तैयार आलू का मसाला डालकर व्रत वाली चटनी के साथ खाएं।

कार्नर न्यूज

बच्चों की सही तरीके से परवरिश करना जिम्मेदारी होती है हर माता- पिता की

माता-पिता की आदतें बच्चों पर डालती है सीधा असर, रहें सचेत

बच्चे की सही से परवरिश करना माता-पिता के हाथ में होता है। ऐसे में कम उम्र से ही बच्चे माता- पिता को देखकर उनकी आदतों से चीजें सीखने लगते हैं। कहा जाता है ना बच्चों को जो सिखाया जाता है वह वहीं सीखते हैं। ऐसे में पेरेंट्स की कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो बच्चों पर गलत असर छोड़ती हैं। ऐसे में बच्चों को सामने भूलकर भी इन चीजों के नहीं करना चाहिए।

स्क्रीन टाइम पर फोक्स

अगर आप अपने बच्चे के सामने पूरी दिन मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपके बच्चे भी आपकी तरह फोन के लिए जिद करना शुरू कर देंगे। ऐसे में आपको खुद भी स्क्रीन टाइम का कम इस्तेमाल करना चाहिए।

गलत भाषा का उपयोग न करें

माता-पिता अगर बात- बात पर गलत भाषा का उपयोग करते हैं तो बच्चे भी इन भाषा का उपयोग करना सीख जाएगे। इससे बच्चों का व्यवहार पर काफी गलर असर पड़ता है। ऐसे में बच्चों के सामने आपको सही तरीके से बात करना है। हमेशा दूसरों का सम्मान करना है ताकि आपके बच्चे भी आपका सम्मान करें।

क्रोध ना करें

कई बच्चे बचपन से ही काफी ज्यादा गुस्सा करते हैं। ऐसा तभी होता है जब पेरेंट्स में किसी भी एक सदस्य को काफी ज्यादा गुस्सा आता है। अगर आप हर छोटी बात पर भड़क जाते हैं तो आपसे आपका बच्चा भी यही सिखने वाला है। ऐसे में आपको बिलकुल भी क्रोध नहीं करना चाहिए।

नियमों का पालन न करना

अगर आप नियमों का पालन नहीं करते हैं तो आपके बच्चे भी आपसे यही सीखने वाले हैं। ऐसे में नियमों की अहमियत के बारे में आपको अपने बच्चे को बताना चाहिए। इससे बच्चे बचपन से ही किसी भी नियम को तोड़ने से पहले 100 बार सोचेगे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अब डीसीयू से जुड़ेंगे क्रिस प्रैट, जेम्स गन और फैंस पर छोड़ा रोल तय करने का काम

अभिनेता क्रिस प्रैट मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में काम करने के बाद अब डीसी स्टूडियो के साथ काम करने को तैयार हैं। हाल ही में, 'सुपरमैनः लिगेसी' के सेट पर उनकी मुलाकात जेम्स गन के साथ हुई। इस मुलाकात को लेकर जब क्रिस से पूछा गया कि वो कौन सा किरदार निभाना पसंद करेंगे तो इस पर उन्होंने कुछ भी साफ-साफ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि वो इसे तय करने का काम जेम्स और प्रशंसकों पर छोड़ रहे हैं। बता दें कि दोनों ने आखिरी बार साल 2023 में साथ में काम किया था। डीसी स्टूडियो में शामिल होने के सवाल पर क्रिस प्रैट ने बेझिझक हां में अपना जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अगर काम उनके शेड्यूल के हिसाब से ठीक रहा तो यह उनके लिए सही होगा। क्रिस ने कहा कि उन्हें स्टार-लॉर्ड का रोल करना पसंद हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिर से ऐसा करने का मौका मिल सकता है। मालूम हो कि साल 2014 में आई फिल्म 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' में क्रिस प्रैट ने पीटर क्विल (उर्फ स्टार-लॉर्ड) का किरदार अदा करते हुए एमसीयू में डेब्यू किया था। इसका निर्देशन जेम्स गन द्वारा किया गया था। जेम्स गन की बात करें तो वो साल 2022 में पीटर सफरन के साथ डीसी स्टूडियो से जुड़े थे। वो इन दिनों सुपरमैनः लिगेसी के निर्देशन में जुटे हुए हैं। इस फिल्म में डेविड कोरेंसवेट मैन ऑफ स्टील के किरदार में दिखाई देंगे। उनके अलावा स्काईलर गिसोंडो ने जिमी ऑलसेन, रेचल ब्रोसनाहन ने लोइस लेन और निकोलस हॉल्ट ने लेक्स लूथर की भूमिका निभाई है।

टॉलीवुड

'विश्वंभरा' में चौंकाएगा चिरंजीवी का लुक, जल्द आएगा टीजर

चिरंजीवी की नई फिल्म 'विश्वंभरा' को लेकर धीरे-धीरे माहौल बनना शुरू हो गया है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही चिरंजीवी के प्रशंसक फिल्म से उनकी झलक देखने के लिए उतावले हो रखे हैं, क्योंकि फिल्म की घोषणा का वीडियो काफी दमदार था, जिसे देखकर लग रहा था कि फिल्म में कुछ नया देखने को मिलने वाला है। अब इस फिल्म को लेकर एक ताजा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बहुत जल्द 'विश्वंभरा' का एक छोटा सा टीजर रिलीज होने वाला है। अपडेट केवल इतना ही नहीं है। इस फिल्म की मेकिंग वीडियो के साथ-साथ फिल्म से चिरंजीवी का लुक भी सामने आएगा। 'विश्वंभरा' में चिरंजीवी के साथ-साथ बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी नजर आएंगे। उनके किरदार को लेकर कहा जा रहा है कि वो खलनायक का रोल निभा रहे हैं। फिल्म में उनके और चिरंजीवी के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है। इन दोनों के अलावा त्रिशा भी परदे पर अभिनय करती दिखाई देंगी। वैसे मीडिया रिपोर्ट्स में एक चर्चा इस बात की भी है कि टीजर के जरिए दर्शकों के बीच फिल्म के प्री रिलीज बिजनेस को लेकर जागरुकता पैदा करने की कोशिश की जाएगी। बता दें कि 'विश्वंभरा' की शूटिंग तेजी से की जा रही है और इसके साथ-साथ पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी किया जा रहा है। यह फिल्म चिरंजीवी के अभिनय करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। 'विश्वंभरा' का निर्देशन वशिष्ठ मल्लादी कर रहे हैं। वहीं, यूवी क्रिएशन्स द्वारा फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। फिल्म में एमएम कीरवानी की धुनें सुनने को मिलेगी। इसे 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया।

भोजपुरी

पवन ने 'सूर्यवंशम' के ट्रेलर में उड़ाया गर्दा, स्टंट देख फैंस बोले- मजा आ गया

पावर स्टार पवन सिंह की फिल्म 'सूर्यवंशम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 4 मिनट 16 सेकेंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत पवन सिंह के धांसू एक्शन से होती है, जिसमें उनका जलवा देखते ही बनता है। फिल्म में पवन सिंह के साथ आस्था सिंह नजर आ रही हैं। दोनों की केमिस्ट्री काफी अपीलिंग है। 'सूर्यवंशम' में पवन सिंह एक किसान की रोल में हैं, जो ट्रेक्टर भी खुद चलाते हैं और जुल्म करने वाले विलेन को मस्त तोड़ते भी हैं। 'सूर्यवंशम' के ट्रेलर में पवन का दमदार एक्शन, दिलचस्प कहानी और शानदार डायलॉग्स देखने को मिलते हैं। फिल्म में आस्था सिंह और पवन सिंह के रोमांस के बीच आत्मीय पहलु भी देखने को मिलने वाला है। कुल मिलकर देखा जाए, तो एक ब्रेक के बाद पावर स्टार पवन सिंह का पावर अब बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिलने वाला है। इसकी एक झलक फिल्म के ट्रेलर में मिल रही है। ट्रेलर में दिखाए गए एक्शन सीक्वेंस और इमोशनल सीन ने दर्शकों को फिल्म के प्रति और क्रेजी कर दिया है। यूट्यूब पर इसे 8 घंटों में तीन लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। फैंस कंमेंट कर रहे हैं कि ट्रेलर एकदम धाकड़ है और इसे देखकर उनका दिल खुश हो गया।

इंद्रधनुषी छटा रैम्प पर

लाइफ स्टाइल

बरबेरी, वर्सेस और डायर कुछ ऐसे पावर फैशन हाउस हैं जो इस सीजन में इंद्रधनुषी रंगों के साथ रनवे को चमका रहे हैं। हालाँकि शरद ऋतु/सर्दियों के महीने आमतौर पर गहरे रंगों के लिए तय होते हैं, लेकिन बारिश की फुहारों के बीच जैसे आसमान पर कभी इंद्रधनुष दिखाई दे जाता है, ठीक उसी तरह पेरिस फैशन वीक में डिजाइनरों ने रैम्प पर अपने मॉडल के जरिए इंद्रधनुषी छटा बिखेरी है। इसे फैशन की दुनिया में हाथों-हाथ लिया गया।

सावन में खिलेगी मेहंदी की खूबसूरत डिजाइन

सावन में अलग-अलग मौके के लिए आप अपनी मेहंदी के लिए खूबसूरत डिजाइन तय कर लें। इससे आपकी हथेली खिली-खिली नजर आएंगी। यहां हम आपको तीज के लिए मेहंदी की खूबसूरत डिजाइन दिखाने जा रहे हैं।

बनवाएं महादेव-पार्वती की तस्वीर

अपनी मेहंदी को खास बनाने के लिए आप चाहें तो हाथों पर महादेव और माता पार्वती की तस्वीर बनवा सकती हैं। इस मेहंदी में चार चांद लगाने के लिए मेहंदी में महादेव के मंदिर की तस्वीर भी बनवा सकती हैं।

झूला झूलता कपल

अगर शादी के बाद ये आपकी पहली हरियाली तीज है तो ये डिजाइन आपके लिए परफेक्ट रहेगी। इस डिजाइन में एक कपल दिख रहा है। लड़की झूले पर बैठी है और लड़का उसे झूला झुला रहा है। इसके साथ आप अपनी इस मेहंदी में अपने पति का नाम भी लिखवा सकती हैं।

झूला झूलती महिला

अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं है लेकिन आप फिर भी मेहंदी की कुछ अलग डिजाइन अपने हाथों पर रचाना चाहती हैं तो ये डिजाइन काफी परफेक्ट है। इसके लिए आपको बस अपने हाथों में झूला झूलती महिला की तस्वीर बनानी हैं।

तीज के लिए बनवा लें अनारकली सूट, लगेंगी सबसे खूबसूरत

फैशन

सावन के महीने में कई ऐसे त्योहार आते हैं, जिनका काफी महत्व है। इन त्योहारों में सबसे अहम है हरियाली तीज का त्योहार। ये त्योहार सुहागिन महिलाओं के साथ-साथ कुंवारी लड़कियों के लिए भी काफी अहम होता है। इस दिन माता पार्वती की पूजा-पाठ करके सुहागिन महिलाएं अपने लिए अखंड सौभाग्य की कामना करती है, वहीं कुंवारी कन्याएं अपने लिए महादेव जैसे वर की कामना करती हैं।

तीज का त्योहार उन महिलाओं के लिए भी बेहद खास होता है, जिनकी नई-नई शादी हुई है। शादी के बाद पहली हरियाली तीज के लिए नई दुल्हनें काफी तैयारी करती हैं। अक्सर घरों में हरियाली तीज का त्योहार महिलाएं अपने मायके जाकर मनाती हैं, ऐसे में उनका खूबसूरत दिखना भी बनता है। वो इसके लिए कई-कई दिनों पहले से तैयारी शुरू कर देती हैं।

अगर आप हरियाली तीज के लिए कुछ अलग आउटफिट बनवाने का सोच रही हैं तो हरे रंग का अनारकली सूट एक बेहतर विकल्प है। यहां हम आपको कुछ अभिनेत्रियों के अनारकली सूट लुक दिखाने जा रहे हैं।

नेहा शेट्टीः हरियाली तीज पर हरा रंग पहनना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप इस तरह का घेर वाला अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। ऐसा सूट बनवाते वक्त ध्यान रखें कि इसमें घेर काफी ज्यादा होना चाहिए। इसके किनारों पर आप गोल्डन बॉर्डर लगवा सकती हैं।

अदिति राव हैदरी : अगर अलग स्टाइल का अनारकली बनवाना है तो आप ऐसा शॉर्ट अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। इसके साथ आप साधारण पायजामी पहनने की बजाय धोती स्टाइल पायजामी बनवा सकती हैं। अपने लुक के साथ लहरिया प्रिंट का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

हिना खानः इस तरह का गोल्डन बॉर्डर वाला अनारकली सूट भी आपका खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। इस तरह के हरे रंग सूट के साथ नीले रंग का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो इस सूट में अपने पसंद की लेस लगा सकती हैं।

देवोलीना : गर्मी का मौसम चल रहा है। ऐसे में आप कॉटन फैब्रिक का अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। ऐसे प्लेन सूट के साथ फ्लोरल प्रिंट का दुपट्टा जरूर कैरी करें।

त्वचा के लिए वरदान है आलू का रस, जानें इसके फायदे और इस्तेमाल का सही तरीका

मानसून की शुरुआत हो गई है, ऐसे में त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप अपनी त्वचा का ध्यान सही से नहीं रखेंगे तो इससे कई तरीके की परेशानियां उत्पन्न होती हैं। इस मौसम में चिपचिपेपन की वजह से चेहरे पर मुंहासे, एक्ने और अन्य परेशानियां भी पैदा होने लगती हैं।

वैसे तो बाजार में आपको कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स मिल जाएंगे जो त्वचा को सही करने का काम करते हैं लेकिन बहुत से लोगों को इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा नहीं होता। ऐसे में आप घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। अगर आप दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो आलू के रस का इस्तेमाल भी स्किन केयर में कर सकते हैं। आलू के रस के इस्तेमाल से आपको कई परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। उसके साथ ही इसका इस्तेमाल करना काफी सरल भी है। आईए आपको इसके फायदे और इस्तेमाल करने का सही तरीका बताते हैं।

आलू का रस निकालने का तरीका

इसके लिए सबसे पहले आलू को अच्छे से धोकर छील लें। फिर उसे कद्दूकस करके उसका रस निकालें। अब आप इसे छानकर साफ रस को एक कटोरी में अलग रख सकते हैं।

इस्तेमाल की विधि

आलू के रस को एक साफ कपड़े या रूई से चेहरे पर लगाएं। आप इसे पूरे चेहरे लगा सकते हैं। इसे 10-15 मिनट तक सूखने दें और फिर चेहरे को सादे पानी से धो लें। चेहरे को ठंडे पानी से धोने के बाद तौलिए से थपथपा कर सुखा लें। ये आपकी त्वचा को काफी फायदा पहुंचाएगा।

मानसून के दौरान बालों में सोच-समझ कर लगाएं दही, फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

बालों में दही लगाने से बाल स्मूथ और सिल्की होते हैं, साथ ही रूसी समते कई सारी परेशानियों से भी छुटकारा मिलती है। इसलिए बहुत से लोग हर मौसम अपने बालों में बहुत सारी चीजों को दही के साथ मिलाकर लगाते हैं। बता दें कि सभी इन्ग्रेडियंट्स का दही के साथ मिलाकर लगाने से अलग फायदा और नुकसान है। मानसून में दही के साथ किन चीजों को मिलाकर नहीं लगाना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

दही के साथ न मिलाएं ये चीजें

नींबू का रसः नींबू का रस बहुत ही खट्टा होता है। जब इसे दही के साथ मिलाया जाता है, तो यह बालों को ड्राई और बेजान बना सकता है। नींबू का रस बालों की नमी को कम कर सकता है, जो मानसून के दौरान बालों में अधिक समस्याएं उत्पन्न कर सकता है।

हल्दीः हल्दी का उपयोग अक्सर स्किन के लिए किया जाता है, लेकिन इसे भूनकर बालों में भी किया जाता है। जिसे मानसून में लगाने से कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। धूप न होने और नमी के कारण दही और हल्दी का मिश्रण बालों में जमी रह सकती है और इसे निकालना मुश्किल हो सकता है। यह बालों की रंगत को भी प्रभावित कर सकता है।

चायपत्तीः चायपत्ती या चाय का पानी बालों में दाग छोड़ सकता है, जिससे बालों की चमक कम हो सकती है। मानसून के दौरान, चायपत्ती और दही को साथ में मिलाकर लगाने से स्कैल्प में गंदगी जम सकती है।

शहदः शहद में चीनी की भरपूर मात्रा होती है, जो दही के साथ मिलाकर बालों में चिपचिपापन पैदा कर सकती है। शहद और दही बालों में लगाने के बाद बाल और स्कैल्प को अच्छे से धोने में दिक्कत हो सकती है।

कार्नर न्यूज

इस साल पुरुषों की पसंद वही, जो मॉडर्न लुक दे

आरामदेह और हलचल मचा देने वाले ट्रेंड पसंद कर रहे हैं पुरुष इस सीजन में

साल 2024 आपकी व्यक्तिगत शैली का मूल्यांकन करने का एक शानदार अवसर है। मेंस फैशन में खुद को पेश करने के तरीके को अपडेट और अपग्रेड करने के लिए विचार की आवश्यकता होती है, और अक्सर, विशेषज्ञ की सलाह की भी। स्टाइल ट्रेंड वर्तमान में अधिक आरामदेह, हलचल मचाने वाले लोगों को पसंद करते हैं। फैशन के विकल्प केवल रुझानों से तय नहीं होने चाहिए क्योंकि जो लोग उनका बहुत सख्ती से पालन करते हैं उनमें अक्सर मौलिकता की कमी होती है- कभी भी अच्छा लुक नहीं होता। हालाँकि, वर्तमान में बने रहना और सांस्कृतिक शैली के साथ संपर्क में रहना एक अच्छा लुक है। आप बेहतर दिखेंगे और बेहतर महसूस करेंगे, और लोग नोटिस करेंगे। सबसे बढ़कर, प्रामाणिकता महत्वपूर्ण है, और आपको वही पहनना चाहिए जो आपके लिए काम करता है।

जींस होनी चाहिए ऐसी

पुरुषों के कपड़ों का चलन चक्रीय होता है, और जैसे ही कोई खास परिधान या फिटिंग अभी चल रही होती है, पेंडुलम हमेशा झूलता रहता है। यहां दिए गए सुझाव व्यापक हैं, जो आने वाले साल में क्या पहनना है, इसके लिए सामान्यीकृत और कालातीत स्टाइल टिप्स प्रदान करते हैं।

खास तौर पर जेगिंग या जींस की बात चल रही हैं। जो देखने में ऐसे लगते हैं जैसे किसी लड़के के पैरों से उतारकर निकाले जा सकते हैं। जब आपकी जींस आपको सांस लेने के लिए जगह नहीं देती है तो न केवल आराम का त्याग होता है, बल्कि वे लगभग 10 साल पहले जींस की अलमारियों पर छाए रहने वाले जींस की याद भी दिलाते हैं। इसके

बजाय, पूरे पैर में एक पतला या सीधा आरामदायक फिट चुनें जो कुछ जगह देता है, जिससे अधिक स्टाइलिश सिल्हूट बनता है। मुझे थोड़ी सी टेपर पसंद है जब तक कि पूरे पैर में जगह हो। आप अपनी जींस पहनना चाहते हैं और नहीं चाहते कि वे आपको पहनें।

चेल्सी बूट जानते हैं आप..?

लगभग सात साल पहले आप बिना पॉइंटेड चेल्सी बूट (अक्सर स्किनी जींस के साथ पहने जाने वाले!) देखे कहीं नहीं जा सकते थे। यह एक कालातीत शैली है, लेकिन वर्तमान आरामदायक और सहज फैशन के माहौल में, वे थोड़े बहुत परिष्कृत और आलीशान लग सकते हैं। इसके बजाय, ब्लंडस्टोन जैसे गोल स्लिप-ऑन चेल्सी बूट को आजमाने पर विचार करें, जिसने पिछले कुछ वर्षों में फैशन में फिर से उछाल देखा है। ये बहुमुखी जूते आरामदायक और सीधे पैर वाली जींस या पतलून के साथ अच्छी तरह से मेल खाते हैं, और यह भी नहीं कहा जा सकता कि वे खराब मौसम में अधिक टिकाऊ होंगे।